Kal vnv
Kal a ei kal eis Tos ai ω vasTωvai ω vov a

اليوم صار
الخلاص للعالم

الغطاة ثم الرشوم و

Ku pi E E xE xpa ϩa a πpo o os SE E

Ei Sa xou So o or μou Ei Sa a xou So

or μou Ku u pi i E Ku pi E E xE

xpa ϩa πpo os SE E Ei Sa xou So or μou

ou πpos χes Tn φω vn n n Tn n ns ϑE n

SE ω ω ωs μou EV Tω xE xpa VE vai μE πpo os

SE E E Ei Sa xou So. ou μou Ku u

pi i E πa Sa πνo n ai

VE Sa a Tω Tou Ku u pi i ou ai vEi

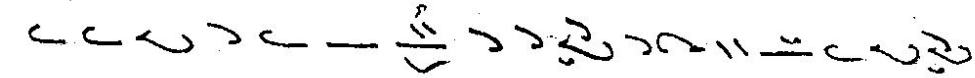

Τε τον Κυ ρι ον Εκ Τω ων β ρα α νων αι νεῖ τε

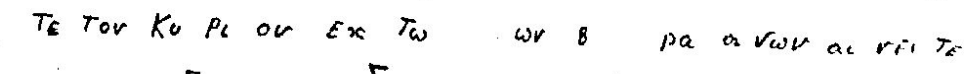

α αυ το ον εν τοι ους υ ψι ι δοις σοι πρε

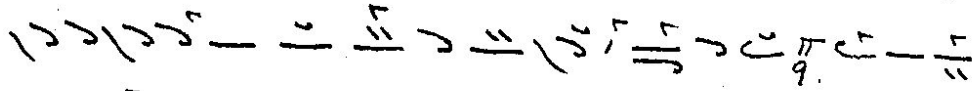

ε ποι υ υ μνος τω ω θε ι ω

Του λι θουσφραγι σθεν τος υ πο των δ ου δαι ων και δια

τι ω των φω λας σου των το α χραν του σου σω ω μα α

νε ε δηι πι η με ρος Σω τυρ δω ρου με νος τω κο σμω

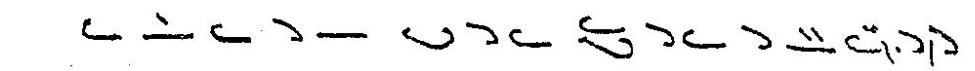

την ζω ην δι α του το αι δυ να α μεις των ου ρα νων

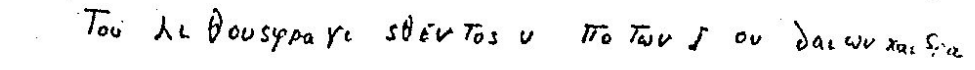

ε βο ων σοι ζω ο δο ο τα δο ο ξα τη α να

στα σεῖ σου χρι στε δο ο ξα τη βα σι λει α σου δο ξα

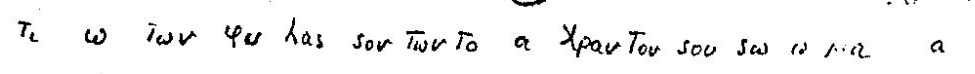

τη οι κο νο μι α σου μο νε φι λα αν θρω πε

اللحن الثاني

مساء السبت

Ei Sa a a xou So ov μB EL Sa xB B
Sov μB Ku u pi E E Ku pi L
E E xE xpa a ψa a πpo os SE Ei Sa a
a xB B So o ov μB πpo osχES Tu φω νη
η η Tη δE η SE ω ω ωS μB EV Tω χE
xpa γE vai ai μE E E πpo os SE Ei Sa xou So ov μB
Ku u u u u u pi E

رَبْ يا

في صلاة السحر

X

ثم نا لَ رَ هُ ظَ بَ الرَ هُ اللَّ أَلْ

الرَّبْ مِ بَلْ فِي الأَ نِ كَ رَ با

Θε os Ku ι pε os xai ε πε ya viv η

μιν ευ λο γη με vos ο ερ χο με vos ευ ο νο μα

Τε Ku pε ι ο

الطروباريه

ها يَ أَ المَوْتَ لى إِ تَ دَرْ انْحَ ما دَ عَنْ

أَ ذِ ءَ نُ حي مَوْتَ يَ لا ذي اللَّ ةَ يا الحَ

عَنْ وَ تِكْ حو لا قِ بَرْ بِ مَ هي الجَ ثَ مَ

ص ذى المثنى تنبه من ثم وا الأم ت ثم أ ما د

ين ذى يا الشى ت وا القوع ي ج كه و تنبه خ ر

ة يا الحطيفع له الإ ح سي الم ها ي أ

ك ر را ئن الوالدين لكن د المنبه

لك ق فو ت له الإ ة د ل وا يا ها لك

أن و كن أ ل ج منبه لك ل ع فو تن و ل فق

لي قو البة ن صوم و لا ر ها الطاة م قو منبه ت

و بر ك ر غي ب ما أم ت رفع ت ته

ابتة ح لي إ ف في في الحه ل الإ ت لن و

يا ا ن س فو ن ص ل ح ي أن لي ح

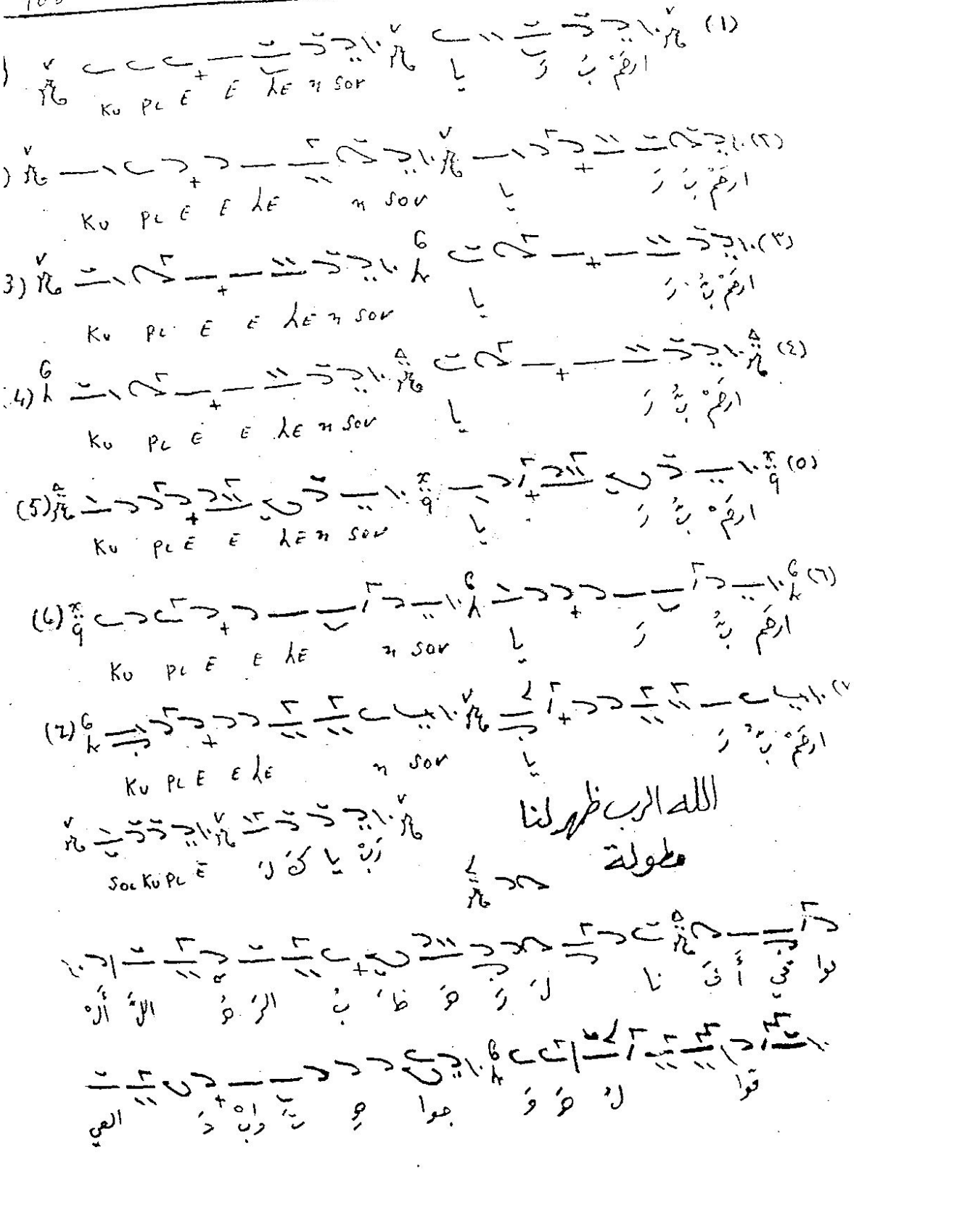
Ku pl E E λE n sov
Ku pl E E λE n sov
Ku pl E E λE n sov
Ku pl E E λE n sov
Ku pl E E λE n sov
Ku pl E E λE n sov
Ku pl E E λE n sov
Soc Ku pl E
الله الرب ظهر لنا
مطولة

B8 يا من هي أكرم
من الشاريم

الأكسبستدري
الثاني

رِ فَ جاءَ رَدَّهُ مُ رَجَ الحَ نَ هَذَ شا قالَ الطبيبُ

بَاً شانَ مَرَ أَبُهُ نَ هُوَ نَ أَنْ لِ نَ حُ

الم ها نَ هُوَ لَاءِ قا رِ القَبْ في سائِلِ جا

ربطَ عَ مُ خِ في لا النَّ لِ نَ تُلْ فَ مُ فاقَوحُ سي

كَ نا هُوَ فَ لِيلِ الحَ لِ بَ جَ لى إِ عوا رِ لَسْ

الوالدية هُوَ ءَ بَا حِ أَ يا كُمْ لَ رُ هُ رَظْ

كاً لا مُ نَ إِنْ لَ قا فَ فَ بَ سَ ما كَ

بَ الحَ لَ قَبْ راءَ الفَوْ لِ مُ لا السَّ مُ دَ قَ

أَفَ كاً لا مُ وَ سيمُ الم ها يُ أَ كَ بِ لِ

حُ أَ فَ رِ كَ قَبْ عَنْ رَ جَ الحَ جَ رَ دَهْ ضاً

شا إ بِ زَ رَ كَ حُزْنُ الْأَضْ وَ عِ ما هُ وَ ذ

ما أَ وَ صَفْ يو لا ذي الْأَحْ رَ الفَ تِ را

ةَ وَ النِّتْ رَ شَ بَ فَوْتُ الْأَضْ وَ عِ فَ في النا

مَ يا قَ بِ عا ذي مُ كَ ءِ بَا هِبْ أَ وَ

كَ يا إِ ما ظَ عَ مُ وَ كَ نَ

كل نسمة بالمحن الثاني ثَ ةْ يا الْأَحْ نِ ما يا

بِ سَ ثُ فَلْ كَهْ سَ نَ لَ كُ

السَ نَ مِ بَ الرَّ حوا بِ سَ الرَّبْ حِ

في هُ هو بِ سَ وَتْ ما

لي يَ كَ لَ هُ نَ أَ لِ لي عا الْأَ

احفظ يارب سيدنا مطولة

HXos ⲧⲉ Zω

هذا المجد

صحابه الأربعة يا جماعة إن كنتم تحبون الله

الشيخ حارث بن يا الباني إله الإيمان الرحمن أ

لي الصحابة كانوا أهل قهوة لكن عمر كان جاء

الشيخ لا رحمه تطلب لا قوة الناس لا طاب أبو بكر

بن بن باز من كان تمام يا قبر بكر

وكذلك عمر بن الخطاب كان أمامه واشم الأ

سبحوا الله

صحابة قد كانوا في حوض بدر في قديسيه

الشيخ أفكين هؤلاء الهاي أبو جي أ

هو ربح نوا كان ذي الأكل الم نعوا ضا أ طرد

ضح نظيع أرجع الحذا فالا هو ن

المَدْ نا طو تَعْ أَنْ فا إِ فَ ياةَ الحِ ةَ رَ

النّا لِ نا عَ مَ دوا سبحْ فَ أَوْ نْ فو

رَأْ لِ دُ فَجْ أَلْ فينْ تِ ها ضَ هِ

ناصَ لِ خَ مْ يا رَهْ زي الغَ كَ تِ فا

رَ ظي نَ هُ حو بِ سَ سبحوه على مقدرته لَكَ دُ حَ المَ

وابْ بُ عو شُ يا حوا رَ إِنْ حِ تِ مَ ظَ عَ لا رَ كَتْ

جَ حَ كَ عَ سَ لَ جَ قَدْ كَ لا المَ نَ أَ لِ جوا هِ تَ

أَلْ لا ءِ قا وَ نا يا إِ رَ شَ بَ مُ التَبْرِ

العاصي لِ خَلْ مُ وارثُ الأَمْ نِ بَيْ رِ مِنْ مَ قا حُ سي مَ

فافْ رَ طِ عَ ذا شَ لَ الكُ بَ عَ أَوْ وَ أَ

جوا جـ ـ ـ

يا يا الكل لي إن سي المنح ها ي أ كا ي ل

لكن د المنح با ر

الديوثيا الثاني

و ب آ لل د نح ال

دس ق ح الرو و ن الاب

يم ز م ع م ن ك ني وا الا ن إ

ب يو ط ن ح ع م و ن ي ف وا

ن را ي حي ت م ن ه ما ن بي و

ل هو ما ب ن فر ظ ي ف ي ك

ر ج ال ن ي آ ر ن ه

ل إ با شا و ج ر ح د د ق

ياة الحَ بُ حِ الوا بُ حِ الوا بُ الرَّ حُ نَ

لى إِ وَ نِ آ لَ كُلْ وَ نَ اَ أَلْ

انت هي الفائقة

يَ حي تِ أَنْ مِنْ آ نَ رى حِ الآ رِ دَحْ

ةَ دَ لِ وا يا كاتْ رَ البَ لِ كُلْ لى عَ ةَ قَ ءِ الفا

بِ سُ قَةْ مَ حي الجَ نَ أَ لِ راءْ العَزْ حِ لا الإِ

وَ كِ مِنْ دِ سِ جَ تَ المُ ةِ طَ سِ وا بِ يَتْ

ةَ نَ اللَّغْ وَالْ ةَ يَ نِ ثا يَ عِ دْ مَ دَ اَ

فَوْ والْ قَتْ تَ النَّ ءَ وَا حَوْ وَ دَتْ با

لِ نا يي حَ قَدْ نَ نَحْ وَ تْ يي أَ نَ

كَ رَ با مُ فِنْ تِ طا حُ تِ سَبْ نُ كَ لِ ذَ

المجدلية الكبرى

Δο ϩα ϫοϫτω δεϩϩαυτε το

φως δο ϩα εν η ψε ϩτοϩς θε ω χαι ε πι γης ει ρη

νη εν αν θρω ποις ευ δο κι α

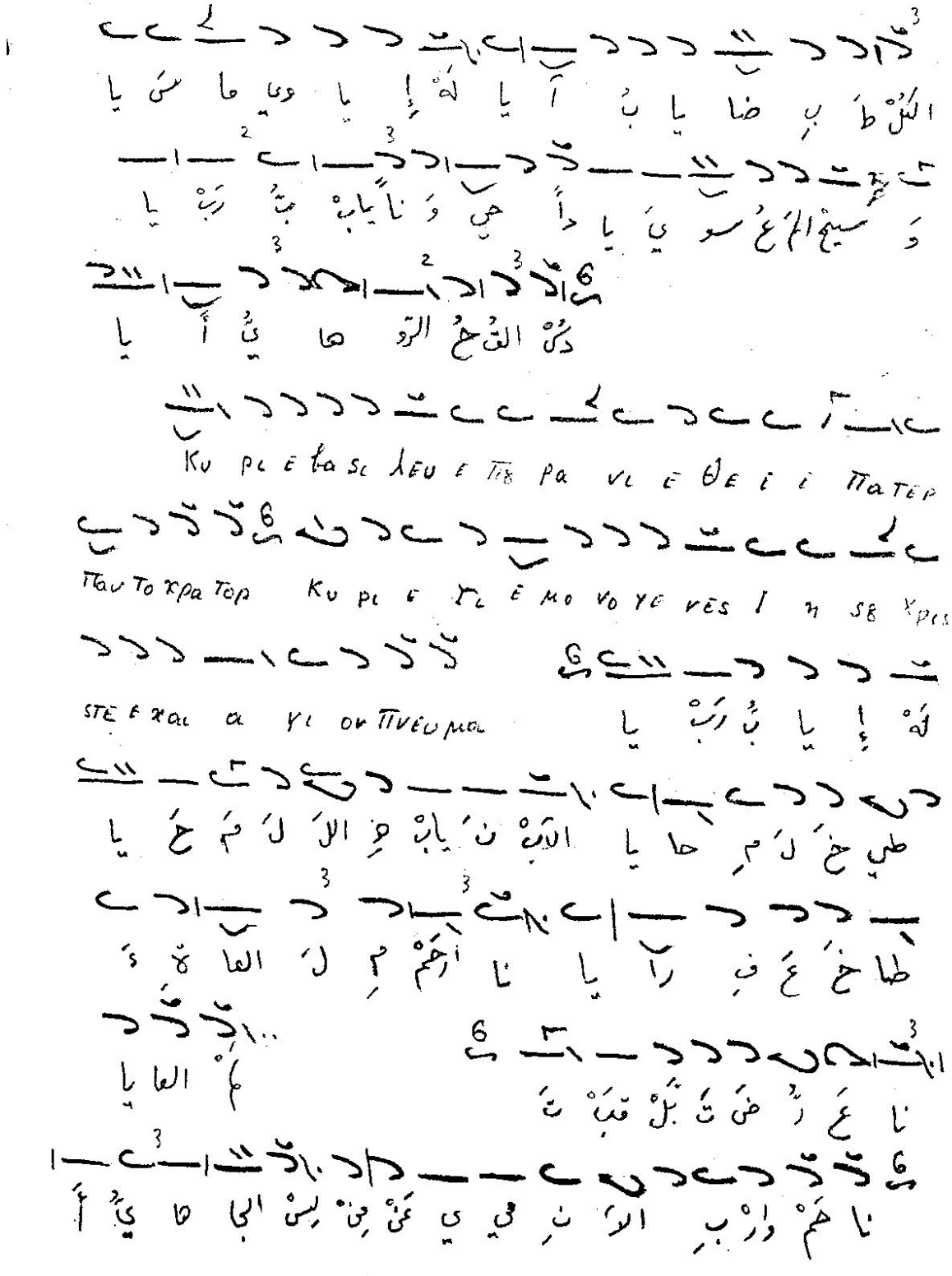
Ku pi e la si leu e Πα pa vi e θe i i Πατερ
Παντοκρατορ Ku pi e Ci e mo vo ge nes I η sa Xpis
ste e xai a yi on Πνευμα

Προς δε ἑαυτον δε η συνη μων ο κα θη με νος εκ δε

ξι ω ων τε πα τρος και ε λε η συν η μας

أَنْ سَنْ دَوْ قُ كَ دَ وُحْ تَ أَنْ كَ نَ أَ لِ

فَنْحْ فِي سِيخْ الْأَ غْ سُو يَ بْ الرَ كَ دَ وُحْ تَ

يَوْ لِ كَ فِي مِنْ أَ بِ الْأَ وِ الْأَ دِ

بَوْ الْأَ لَى إِ كَ لَمْ حْ بِ سَ أَ وَ كَ كَ لِ بَا أَ مِ

بَوْ الْأَ دِ بَ أَ لَى إِ وَ Καθ ε κα σην η

με παν ευ λο γη σω σε και ε υαι σω το ο νο μα σε

εις τον αι ω να και εις τον αι ω να τε αι ω νος

هُ فِي ظَ فَ نُحْ أَنْ بْ رَ يَا نَا حِلْ أَ

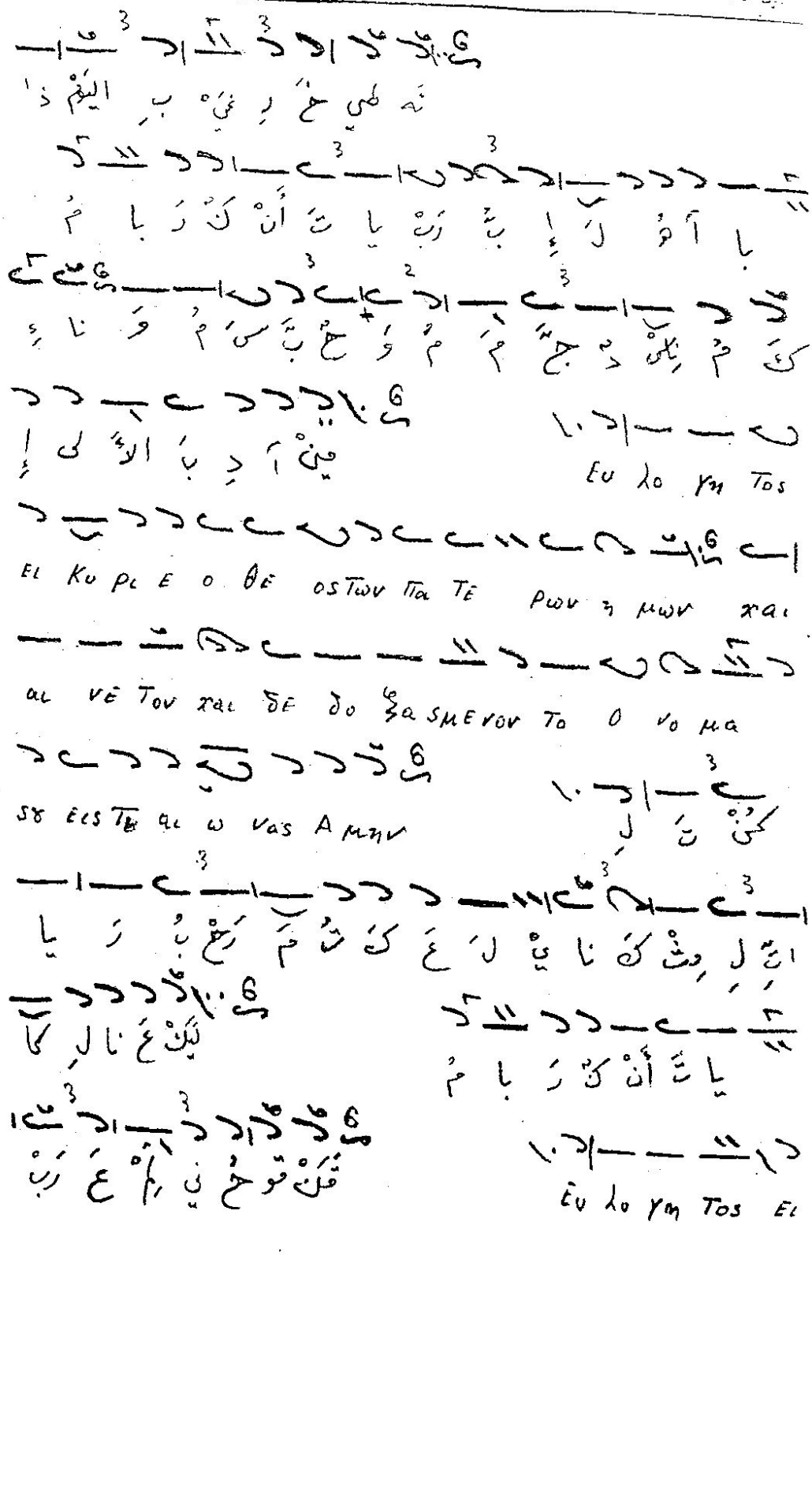
Eu lo γη Tos
El Ku ρι E o θE osTων πα TE ρων η μων και
αι νE Tov και δE δο ξα SμE νον To O νο μα
sή ElS Τη αι ω νας Aμην

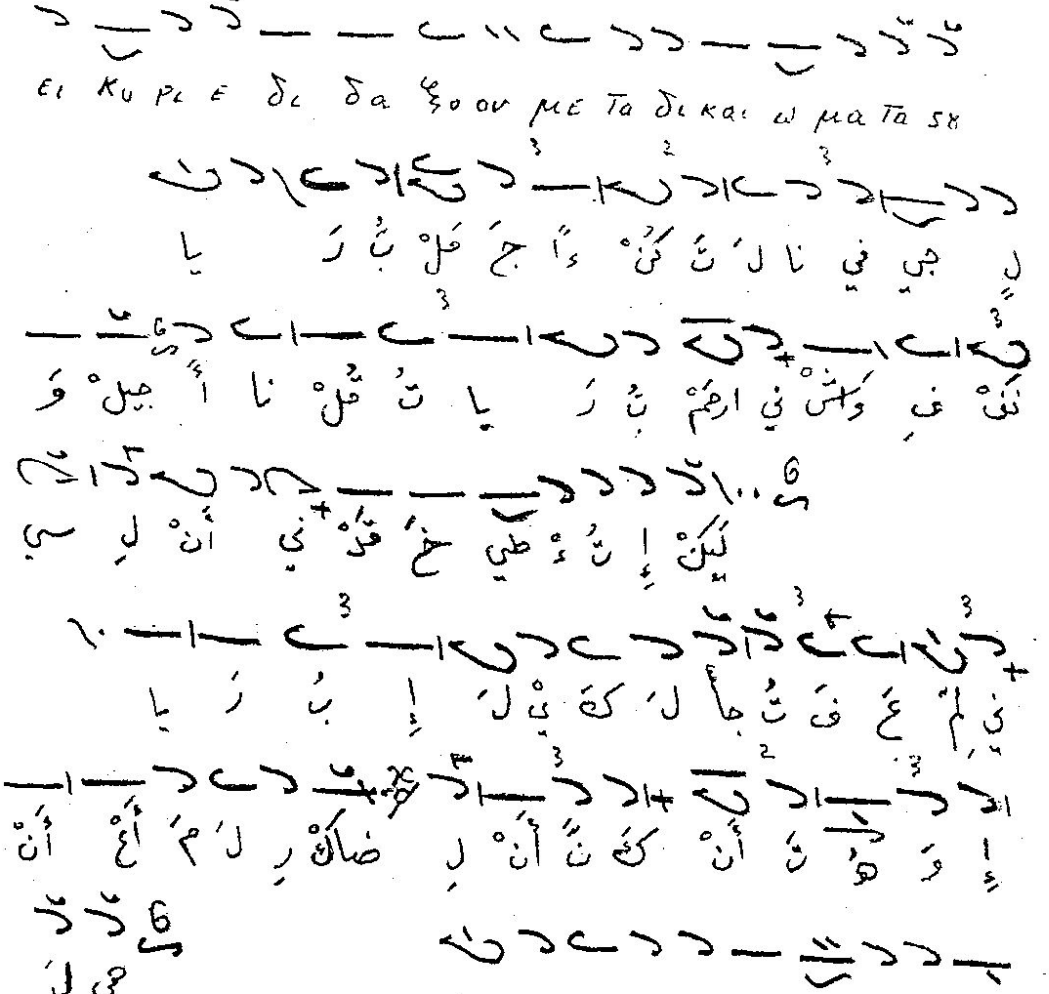
Ει Κυριε δι δα ξουν με τα δικαιωματα σου
Κυριε προσευχα τε φηρον δι
δα ξουμε τοι ειν το θελημα σου ο τι συ ει
ο θεος μου

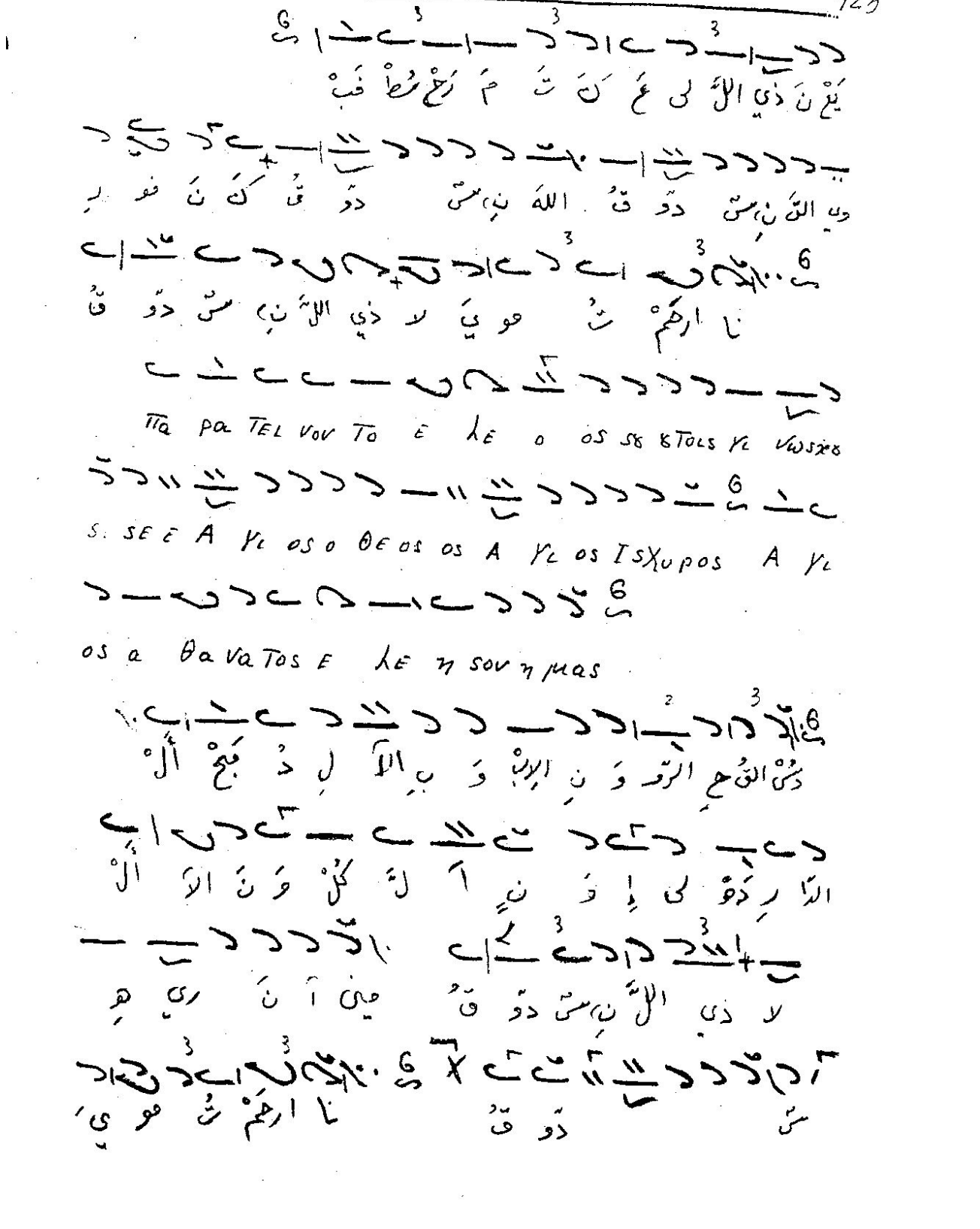

Πα ρα τελ νον το ε λε ο ος σε κτολς κι νωσκε

σι σε ε α κι ος ο θε ος ος α κι ος ισχυρος α κι

ος α θα νατος ε λε η σον η μας

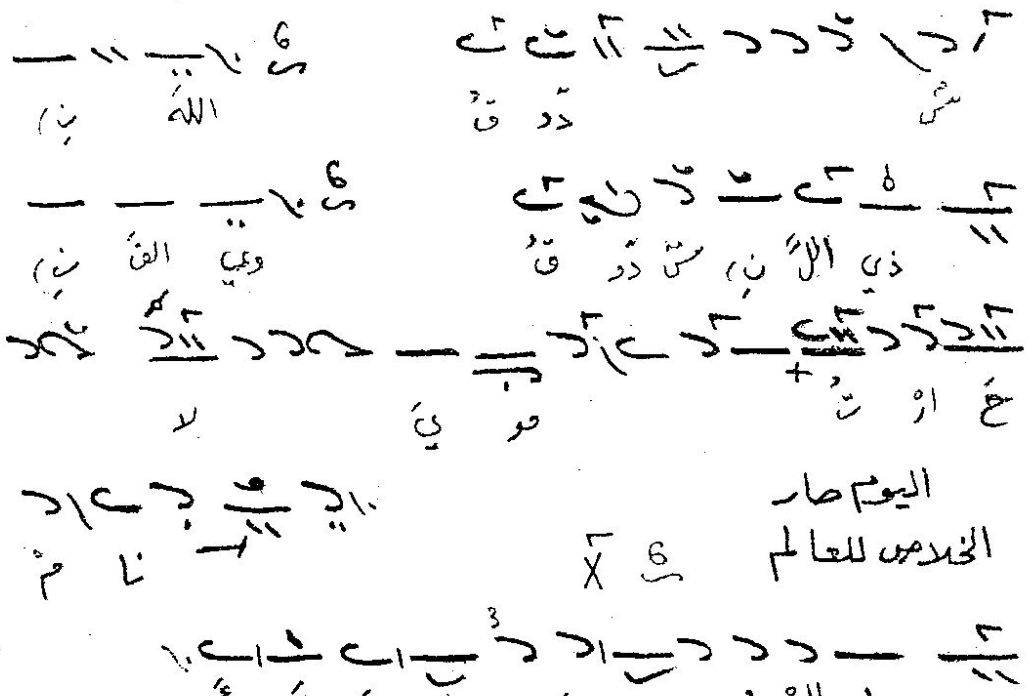

اليوم صار
الخلاص للعالم

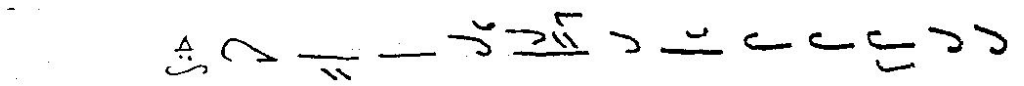

Πα a sa πνο o η αι νε sa a τω

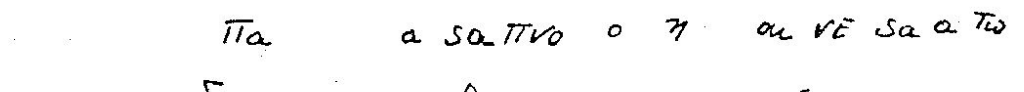

τον κυ ν ρι ον αι νει τε τον κυ ρι ον εκ

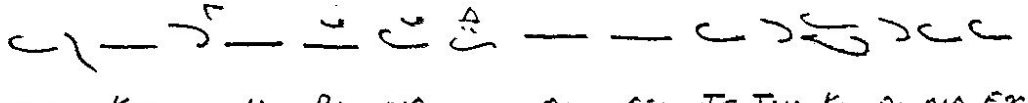

τω ον γ γ ρα α νων αι νει τε

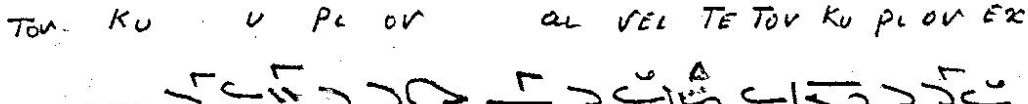

α αυ τον ε εν τοι ους υ ψι ι sous soιπρε

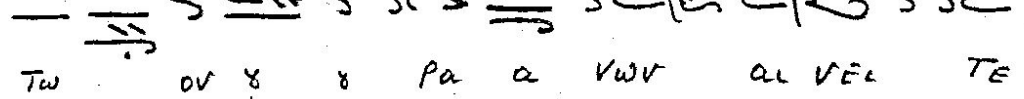

ε πει ν μνο ος τω ω θε ε ω

عندما انحدرت الى الموت

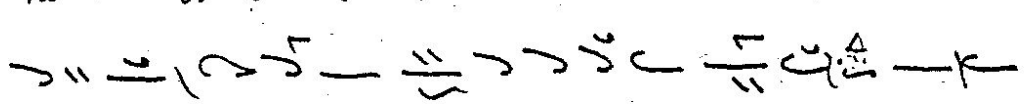

ο τε κα τη η λ θε σπρος τον θα να τον η

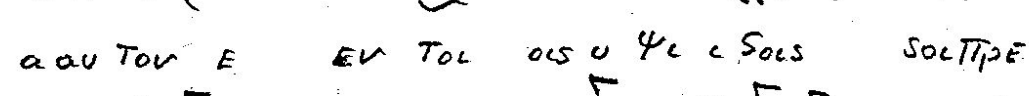

ζω η η α θα α να τος το τε τον α δη νε

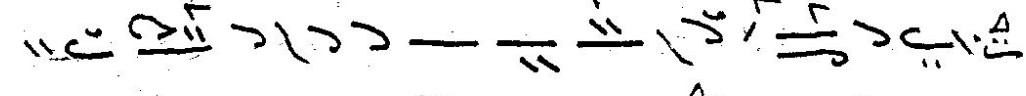

νε κρω σας τη α σρα πη της θε ο τη τος ο

τε δε και τος τε θνε ω τας εκ των κα τα χθο νι ων

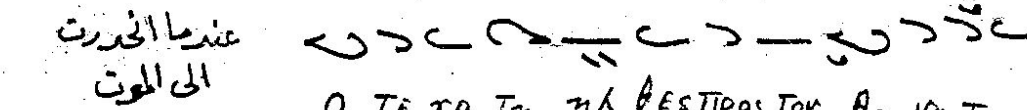

α νε ε σω σας πα σαι αι δη να μεις τον ε πβ

pa Vi ωνε χραυγαδον ζω ο δαταρισταο
θεος η μου δο
شيروبيكوم بالنحن الأول
ثيودوروفكتيوس
ηχος πα

الكلام الجوهري باللحن الأول كوندو

مأخوذ من الحان جورج كراكاسيس Πα

Ku pl E E λE n sov

Ku pl E E λE n sov Ku

pl E E λE n sov

Πα pa σX8 Ku pl E

Πα pa σX8 Ku pl E Πα pa σX8

Ku pl E

بواجب الاستهلال

بواجب الاستئهال ايضاً
باللحن الأول كورد

بِ أَلْهٰ بِي الطَّوْلَةَ مَ ءَ دَ الْ

مَ أُمْ بْ يو الْعُ لَ كَ فِنْ ةَ ءَ رِي

نَ يَا مَ أُمْ نَا حِ لَا إِ

رو الشَا نَ مِ مُ رُ كَنْ أَ يَ حِي فَنْ يَا نَا حِ

غَنْ بِ دَا جْ مَ عُ فَ أَرْ وَ مْ ثَنِي

مْ فِي رَا السَّا نَ مِ سِي يَا قِ رِ

كَ دَتْ لَ وَ دِ سَا فَ رِ غَنْ بِ فَنْ يَا

وَا كِ نَّ أَنْ قَا حَقْ قْ الْلاَّ ةَ مَ لِ

عَ نْ كَ يَا إِ حِ لَا الْإِ لَا ةُ دَ لِ

مْ ظِ

الأغنياء افتقروا وجاعوا

الأقاأم عوا جا وروا قا انتَ ذ يا نِ أغ أله

شيئ يئ أ ح ز ر يع لا ف الرب ن قو تي ي ن ذي

يئ شيئ يئ أ م ح ز ر يع لا ف

في القداس الالهي

بشفاعة والدة الإله

ص لِّ خلّ م يا لهُ الإ ة دَ لِ وا ة عَ فا شَ بِ

ناصلِّ خ Taes Nprs hen oua Tns AE o To xs Sw

وا ة عَ فا شَ بِ Te EP Sw Sovn mas

نا صلِّ خ صلِّ خلّ م يا ح لِ الإ ة دَ لِ

وانّ الوقّ ن بيّ من م قا صن يا اللهن بّ يا نا لِّص خلّ

يا بي لو كي أ ك ل لا تِّ رتّ ن ذ Sw Sovn mas E

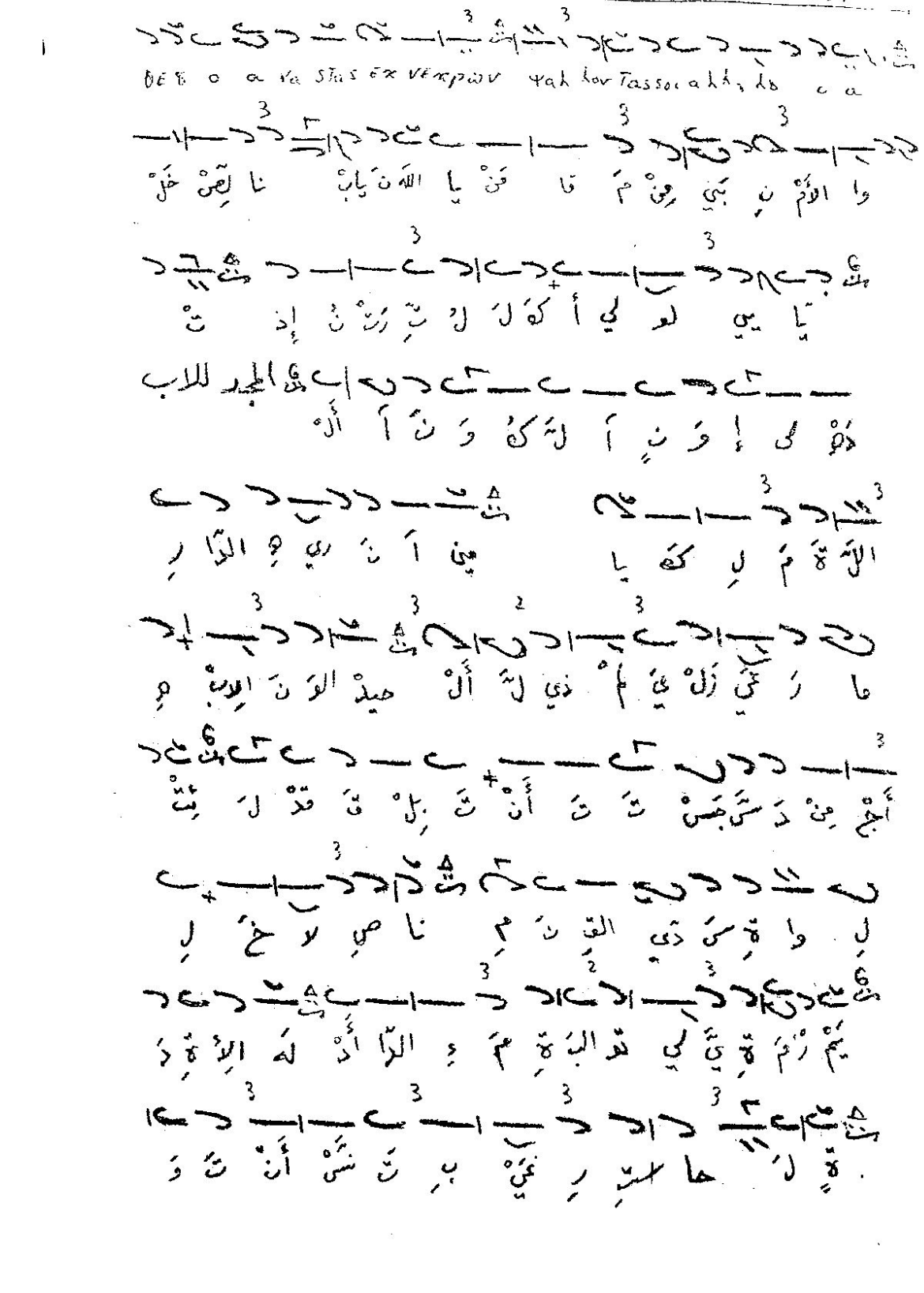

نا هُ لَ إِ حُ سي الم ها يُ أيْ تَ لِبْ هُ وَ

زَلْ تَ لَمْ تَ أَنْ وَ المَوْتَ طِئْ وَ كَتَ بِ فَوْ بِ وَ

مَ دَ حَ مَحْ مُ أَلْ سَ دَوْ القَتْ لِ لو الثا دَ حَ أَ

نا لِقَ خَلْ مِنْ القُحِ الرَو وَ بِ الأَ عَ

نا هُ لَ إِ حُ سي الم ها يُ أيْ تَ لِبْ هُ وَ

لِ قَ لَ هُ المَوْتَ طِئْ وَ كَتَ بِ فَوْ بِ وَ

كَ لِ مَ حُ سي مَ لِلْ كَحْ تَرْ وَ جِدْ نَسْ

يا شفيعة المسيحيين

نا حِ لَ إِ وَ نا

رَ تَمْ نَ يَتي حي سي الم ةَ عَ في شَ يا

قِ لِ الكا دي لَ ةَ طَ سي وَ أَلْ يَه زِ الخا

وا أَصْ عَنْ ضِي رِ قِعْ لا دَهْ دو الْمَرْ رَ غَيْ

دا تَ بَلْ نَهْ طَ الْخَ نُ نَحْ نا تِ با لِ طَ تِ

صا كِ نَ أَنْ ما بِ لِ تَ عو الْمَ بِ نا كِي رَ

فا نْ إِي بِ كِ لَيْ إِنَ ضِي رِ الصا نُ نَحْ حَهْ لِ

فِي عِي رِ شَنْ وَ هَهْ فا الشَ كَ إِ رِي دِ با

مُ أَلْ لَهْ الإِ لَهْ دَ لِ وا يا بَهْ لِ الطا

مِي تِ كَوْ مُ بِ قا ءِ دا لَهْ عَ فِ شَ تَ

الترياجيون

AL

نِ) دَو قُ فِي آ

الا دَو قُ هُ

قدوس من الهيكل

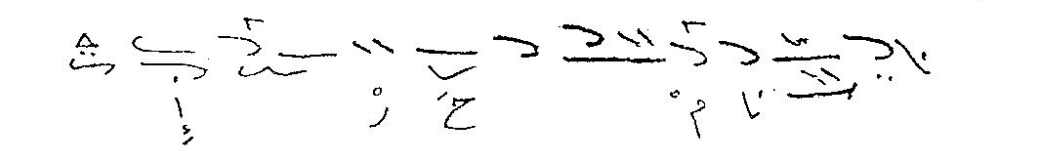

الله الرب ظهان لنا

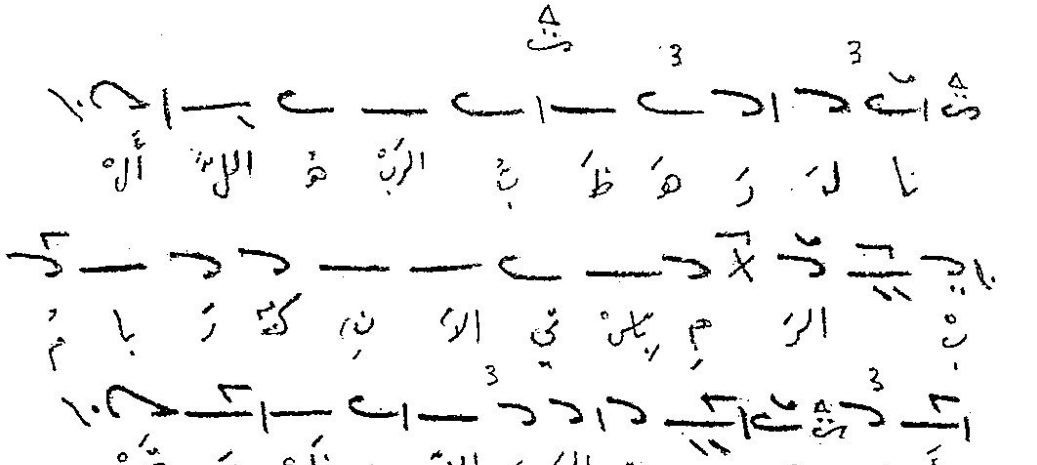

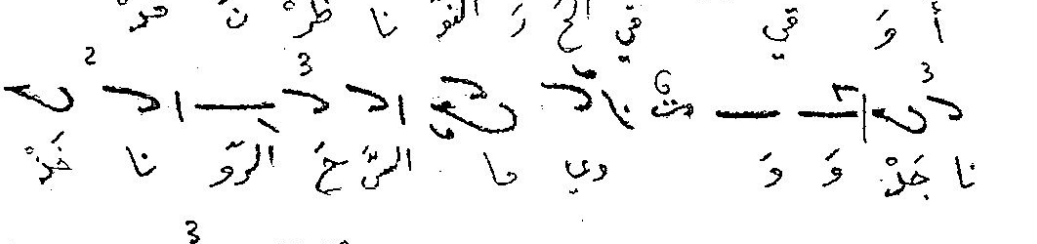

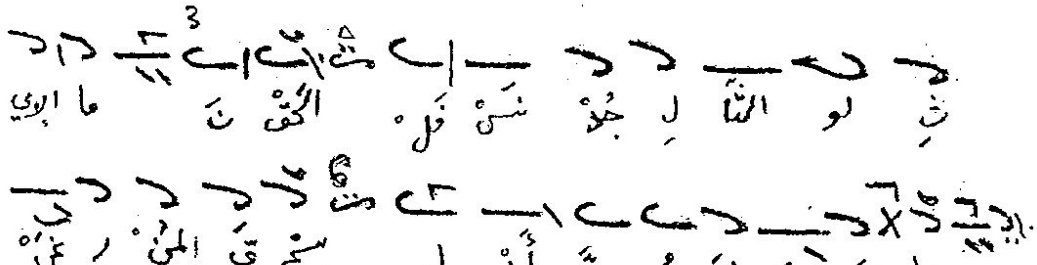

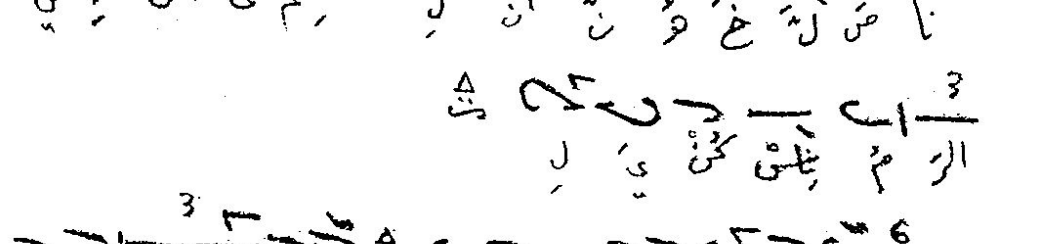

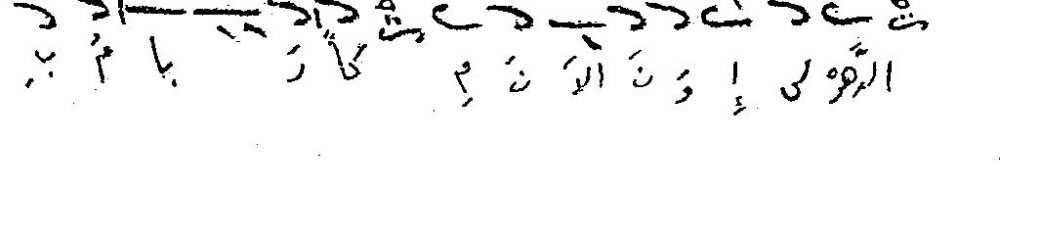

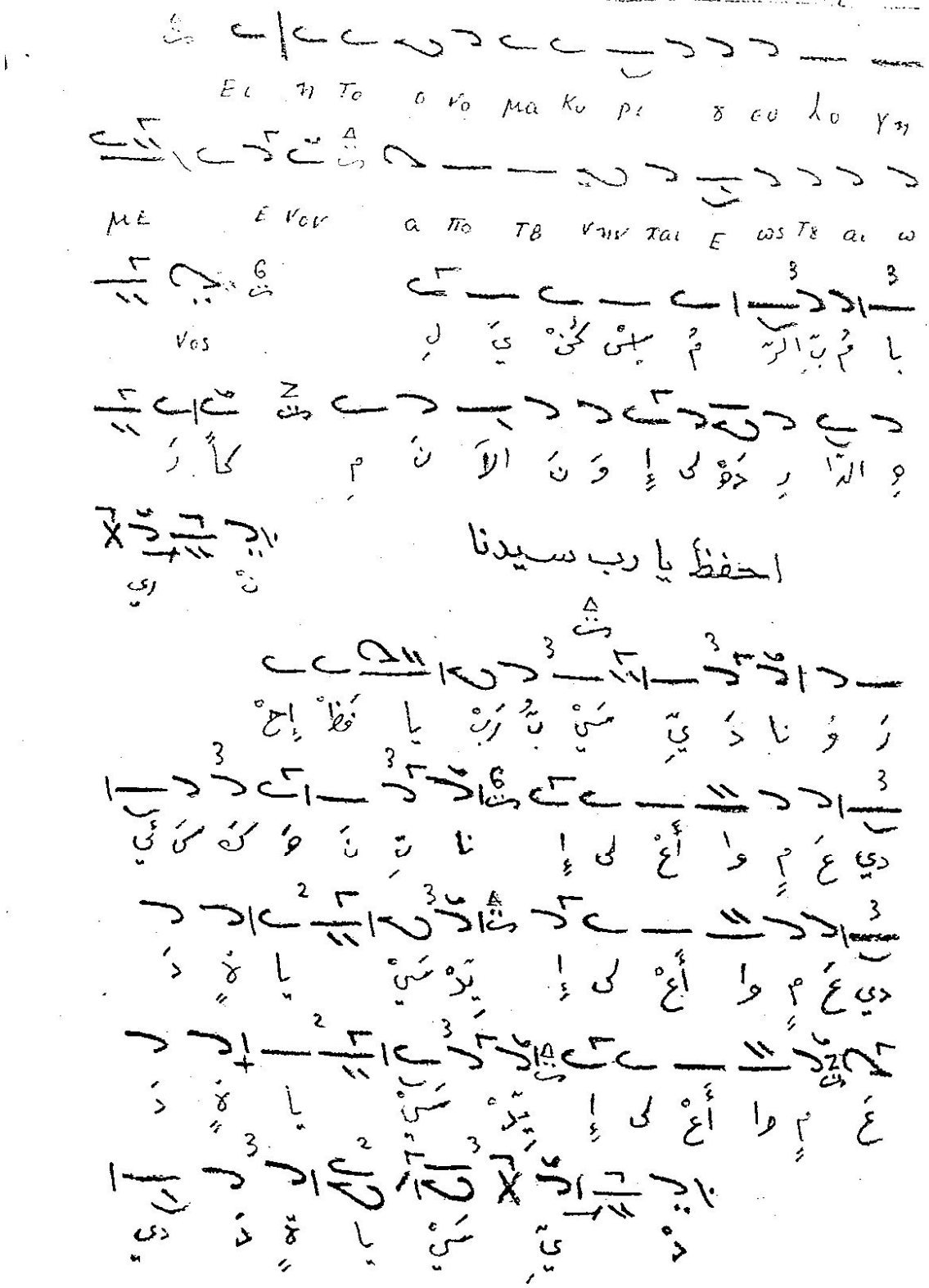
احفظ يا رب سيدنا

الترعا جيون مختصره

A Yi os o θE os A Yi os x sin pos a

Yi os a θa Va Tos E λE n sov n μas

A Yi os o θE o os A Yi o: c sin pos a Yi os

a θa Va Tos E λE n sov n ma as

يارب خلص المؤمنين

العيمي لسيادة المطران

اليلاس عوده

ناد ي سي و نا بو أ ته لي ح الساة ي ق

دعاء لسيادته ايضاً

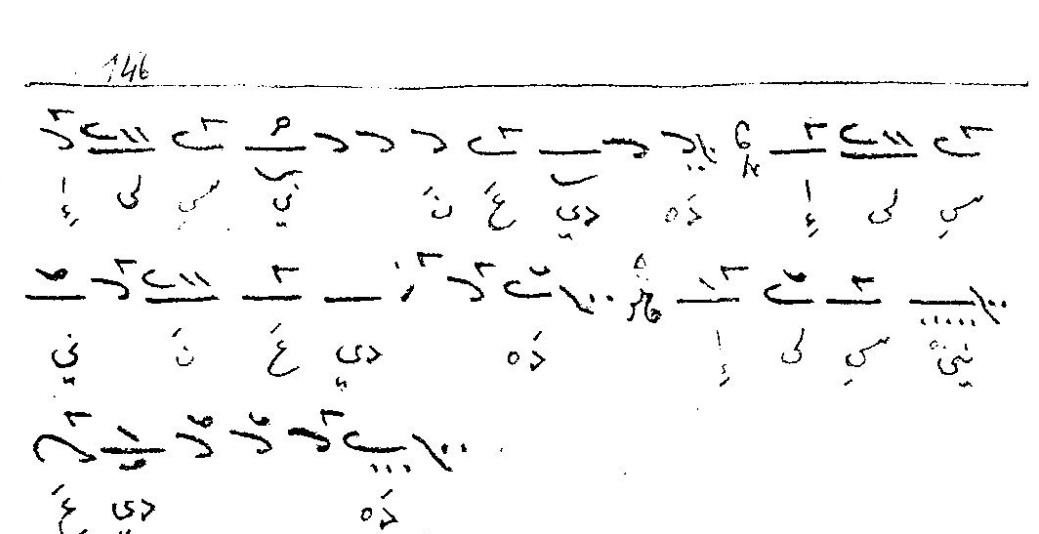

دعاء لصاحب السيادة المطران جورج خضر

بالمحن الرابع

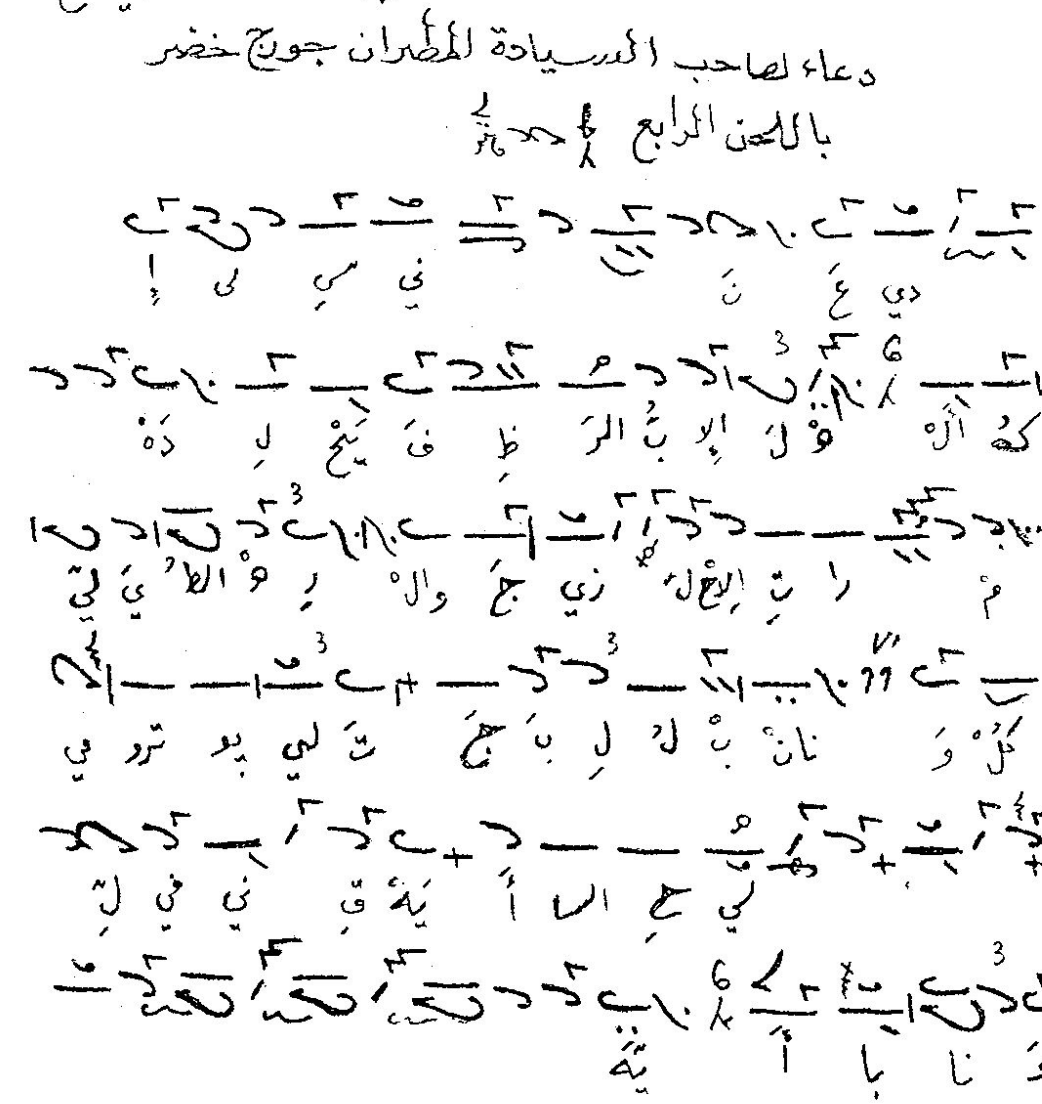

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

يارب ارحم باللحن الثاني

KU PL E E λE N SOV

KU PL E E λE N SOV

TTa PaS XOU KU PL E

TTa PaS XOU KU PL E

الشاروبيكون باللحن الثاني

أنكثيوس

ΔL

الكلام الجوهري باللحن الثاني

لحن ايوانو بروتسبسالتو

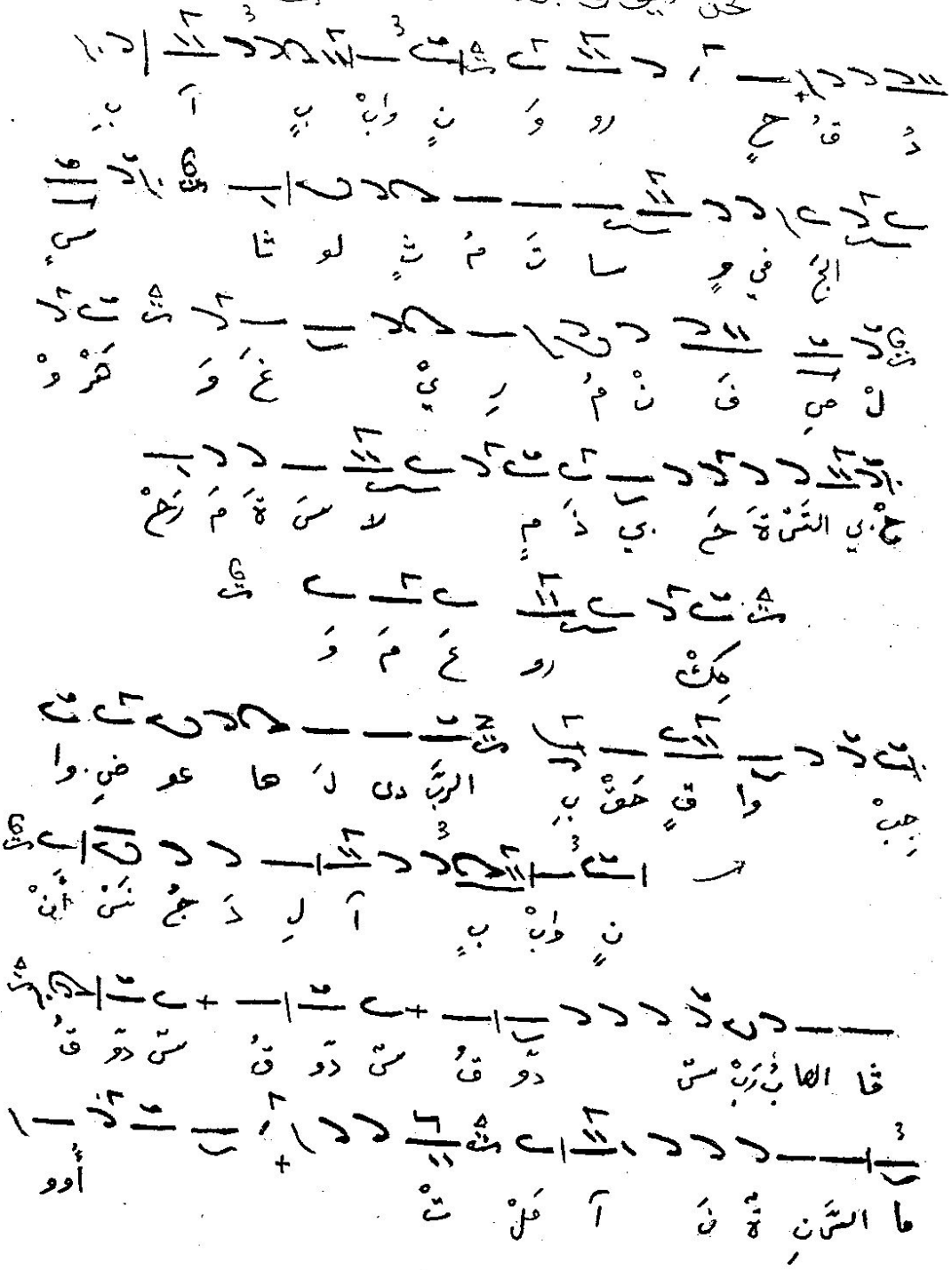

نَا نْ صَ أَو دِكْ جَنْخْ مِنْ صُ أَرْ وَالْ ءُ

با مُ لِي عا الأَ ضِي

نَا صَنْ أَو بْ الرَّ مِ بِلِسْ تِي الأَ نِ كُ رَ

لِي عا الأَ ضِي

مِي مْ اَ نْ مِي مْ اَ

سَ نُ كَ يَا إِيْ نْ

يَا إِيْ كْ رِ با نُ كَ يَا إِيْ خْ بَرِ

لَ إِ وَ بْ رَ يا رُ كُ نَشْ كَ

نَا هَ لَ إِ يا بُ لُ نَظْ كَ عِيْ

يا ارْحَمْ بُ رَ KU PLE E λE v SOV

Ku Pl E E Ke v sou

Tta Paskou Ku Pl E

بواجب الاستئهال

لحن ميليتو م. سيسانتيو

ما تيغ بسن بر ج وا بر قاً هَنْ لِ

ل الأ ة ذ ل وا ط ن غ ن

م ء ذا أ فه ء ذا أذ هو

الطو ة ري ب وال ى من ة ء

ل إ م أم ب يو الع ل كل نا ح

م ثي رو اث ن م م ر ك أ ي ص ق ن يا

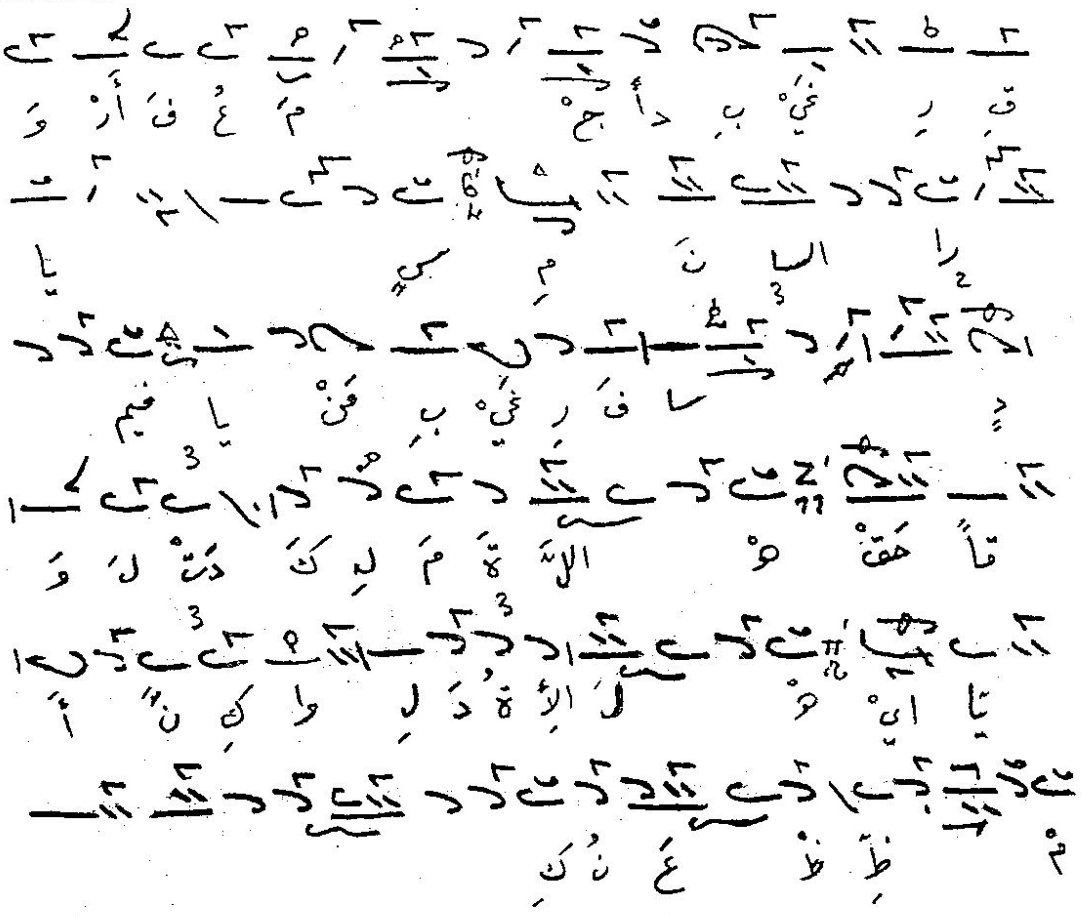

Τὴν τε μι ω τε ραν τῶν χε ρε βιμ καὶ ἐν δο ξο τε ραν α

συν κρι τῶς τῶν σε ρα φεὶμ τὴν α δι α φθο ρῶς θε ον λο

γον τε χε σαν τὴν ον τῶς θε ο τὸ κον σε μέγα λη

ν νο μεν

ذكصولوجيّا عجم كرد

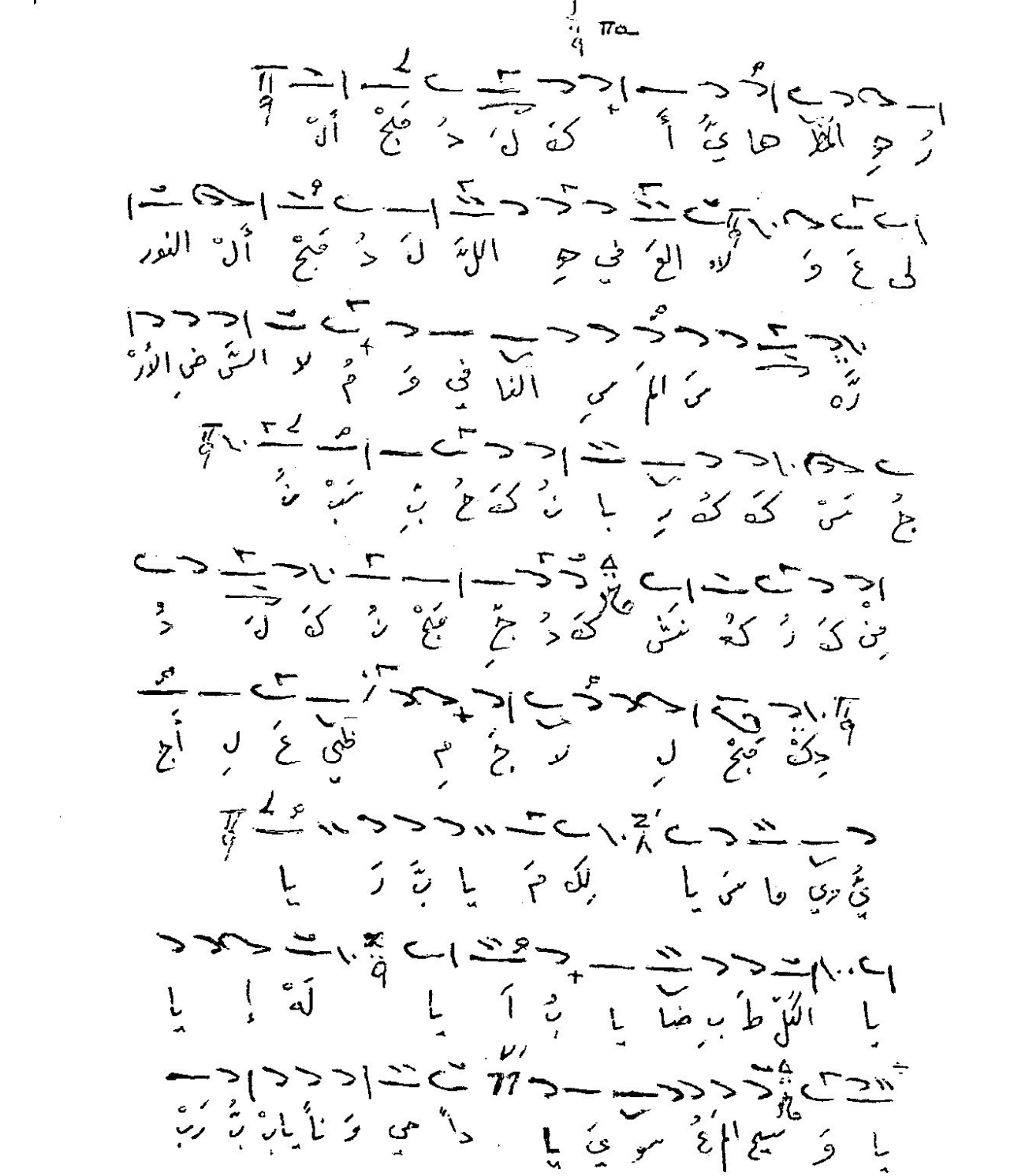

يا بُ رَ يا دُسْ القُ حُ الرو حا يُ أ

حا يا الأب نَ يا رُ حِ الآ لَ مُ حَ يا لَهْ !

را يا نا مْ لرحَ مِ لَ الفا ءَ طهي خَ لَ مِ

رُ طَ تَ بِلْ قَبْ تَ أ الفا يا طا خَ عَ فِ

الا نِ يِ يَ عَ فِ لِسْ الجا حا يُ أ نا عَ

وَحْ تَ أَنْ كَ تَ أَنْ لِ نا حِمْ وا رْ بِ

يَ بُ الرَ كَ دَ وَحْ تَ أَنْ دُوسْ قُ كَ دَ

الا حِ الآ دِ فَجْ فِي سيح الْ عُ سو

يا أُ مِ يَوْ لِ كُلْ فِي جِنْ أَ بِ

وَ بَدْ الا لى إ كَ لَمْ حُ بَ سَبْ أُ وَ كَ كَ بِ

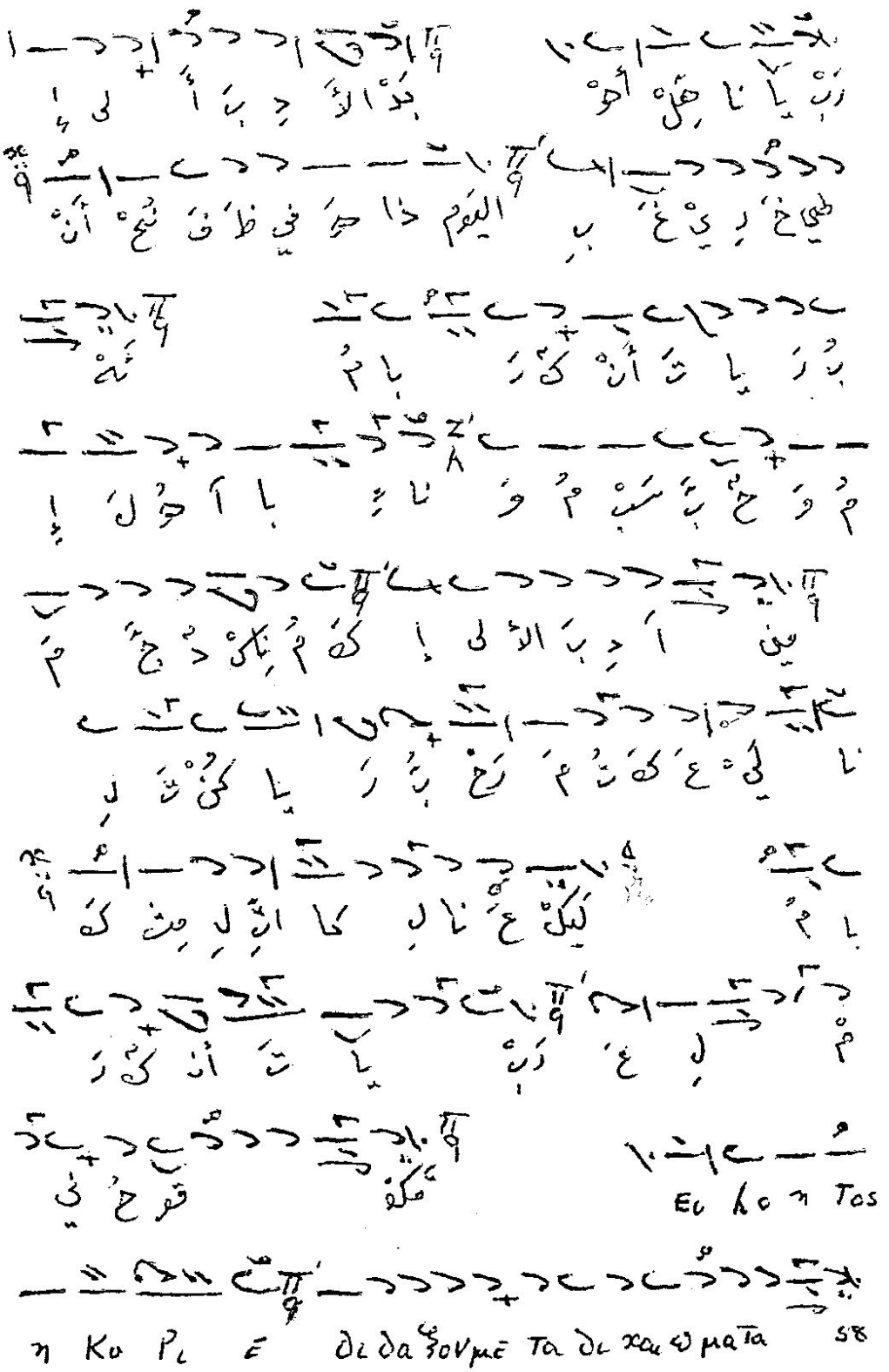
Eu ko n Tos
η Ko Pi E Di da ξou με Ta Di xai ω μα Ta 58

لِ كُلِّ بَدْءٍ رَبَّنَا أَنْ كُنْ رَبَّا مُ

خَ كُلِّ بَدْءٍ رَبَّنَا قُلْ قَرِّحْ فِي مُ

نَا أَلْ جِي وَلِ جِي فِي نَا لَ تَكُنْ أَ

أَنْ لِ سِي نَفْ فِ وَشَنْ فِي ارْحَمْ بَدْءٍ رَبَّنَا قُلْ

لَبِكَةٍ إِنْ هُ طِي خَ قَدْ فِي نَ

لِ كُلِّ فَ تَ أَجْ لَ كَ لَيْ إِ بَدْءٍ رَبَّنَا

لِ كُ ضَا رِ لَ مَ أَغْ أَنْ فِي مُ

هِي لَ إِ وَ حُو تَ نْ أَ كَ نَّ أَنْ

يَا الْ نَ غَيْ كَ لِ بَ قِ بِنْ نَ أَ لِ

النُّورَ نَ دِي حَا نَ كَ رِ فَ بِ وَ ةَ

A γι os o θε os A γι os ι sen pos

A γι os a θa γaτos ε λε n sov n μas

إقبلني اليوم - باللحن الرابع

إقبلني اليوم - باللحن الخامس

ذكصولوجيا شوري

Πα

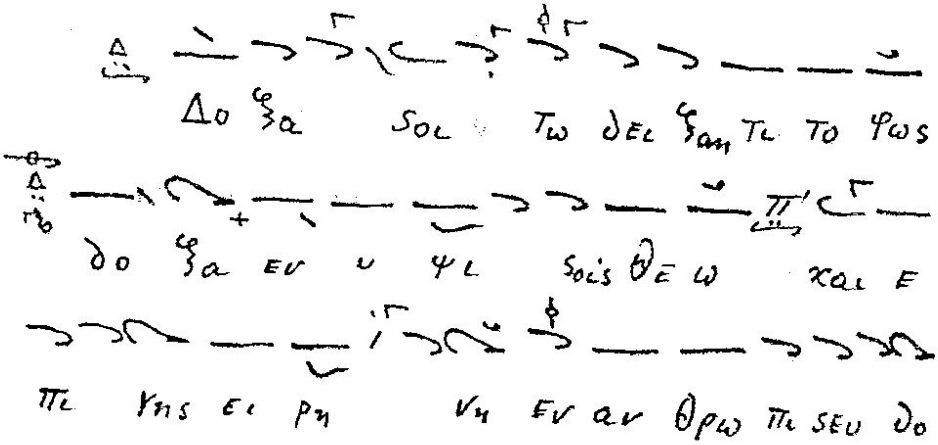

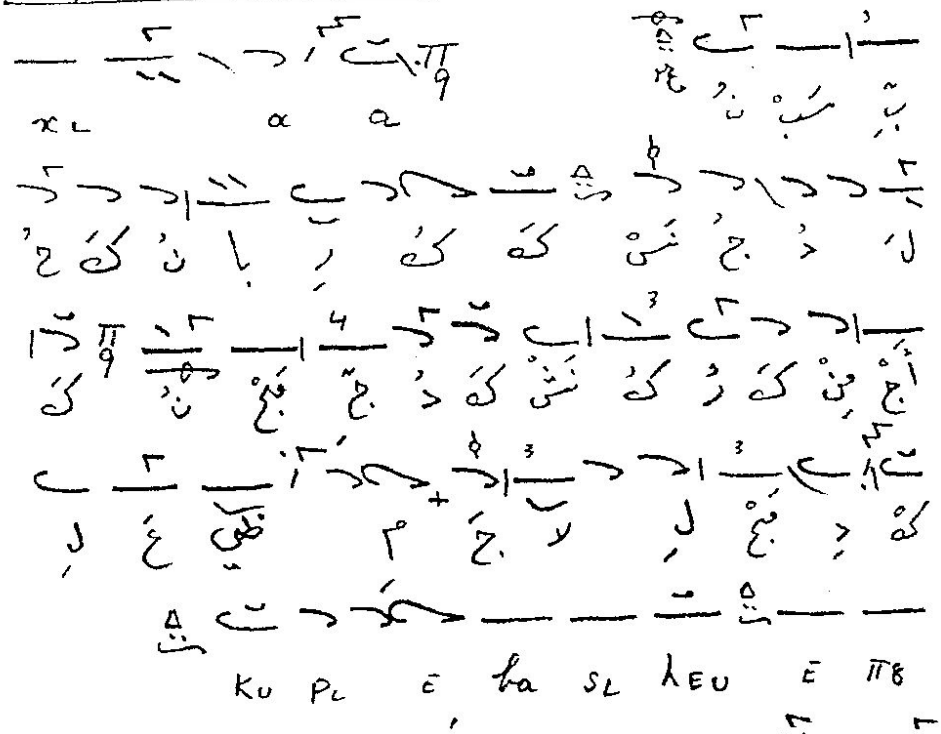

xc a a

Ku pc ē ba sc λeu ē πθ

pa vc ē θē ē πa τερπαν το χρα

το p Ku pc ē γc ē μο νο γε νες I n

sθ χρc στē χαι a γc ον πνē υ μα

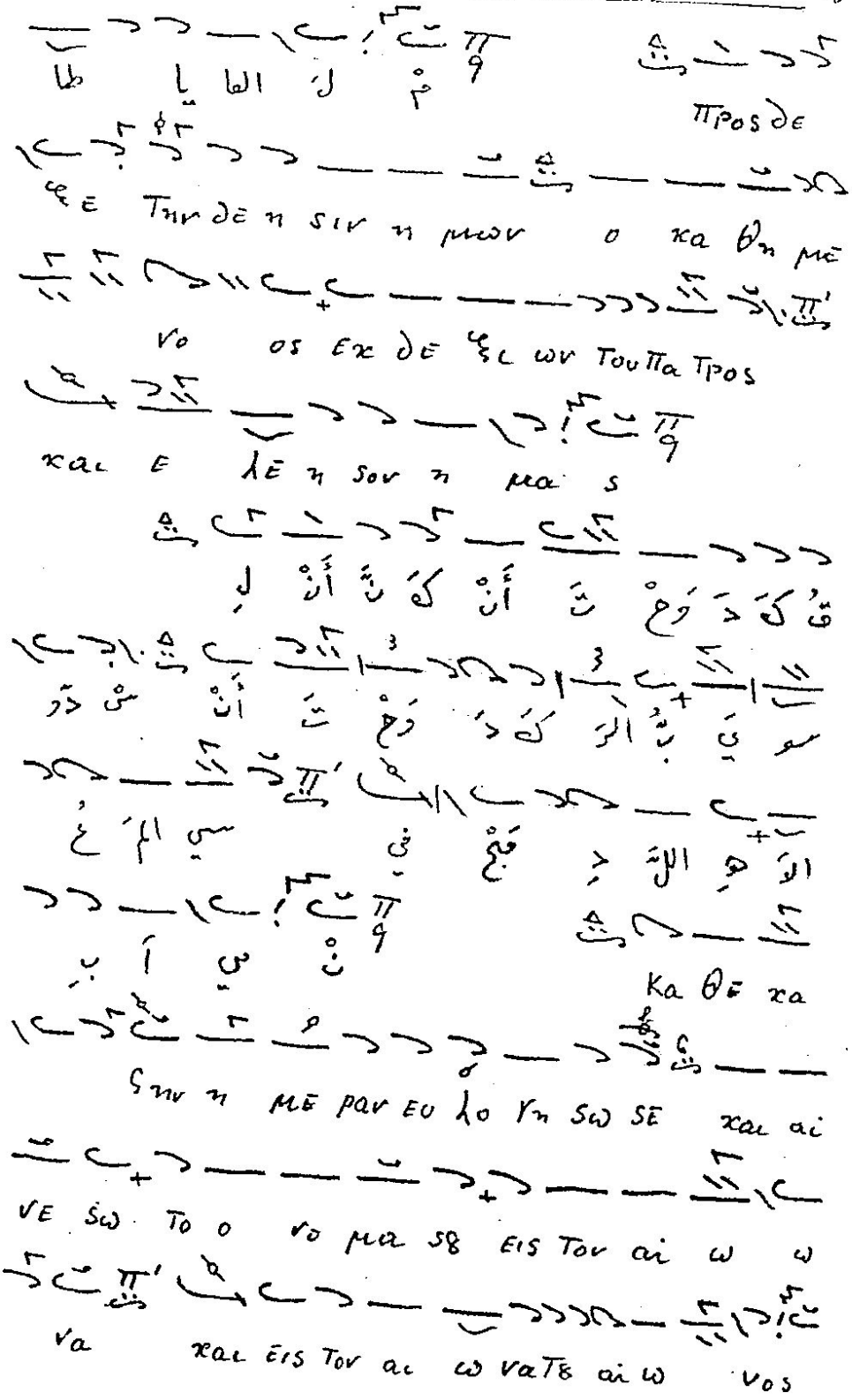
προς δε
ϥε την δε η σιν η μων ο κα θη με
νο ος εκ δε ϥι ων τουπα τρος
και ε λε η σον η μα ς
κα θε κα
ϩην η με ραν ευ λο γη σω σε και αι
νε σω το ο νο μα σθ εις τον αι ω ω
να και εις τον αι ω ναιθ αι ω νος

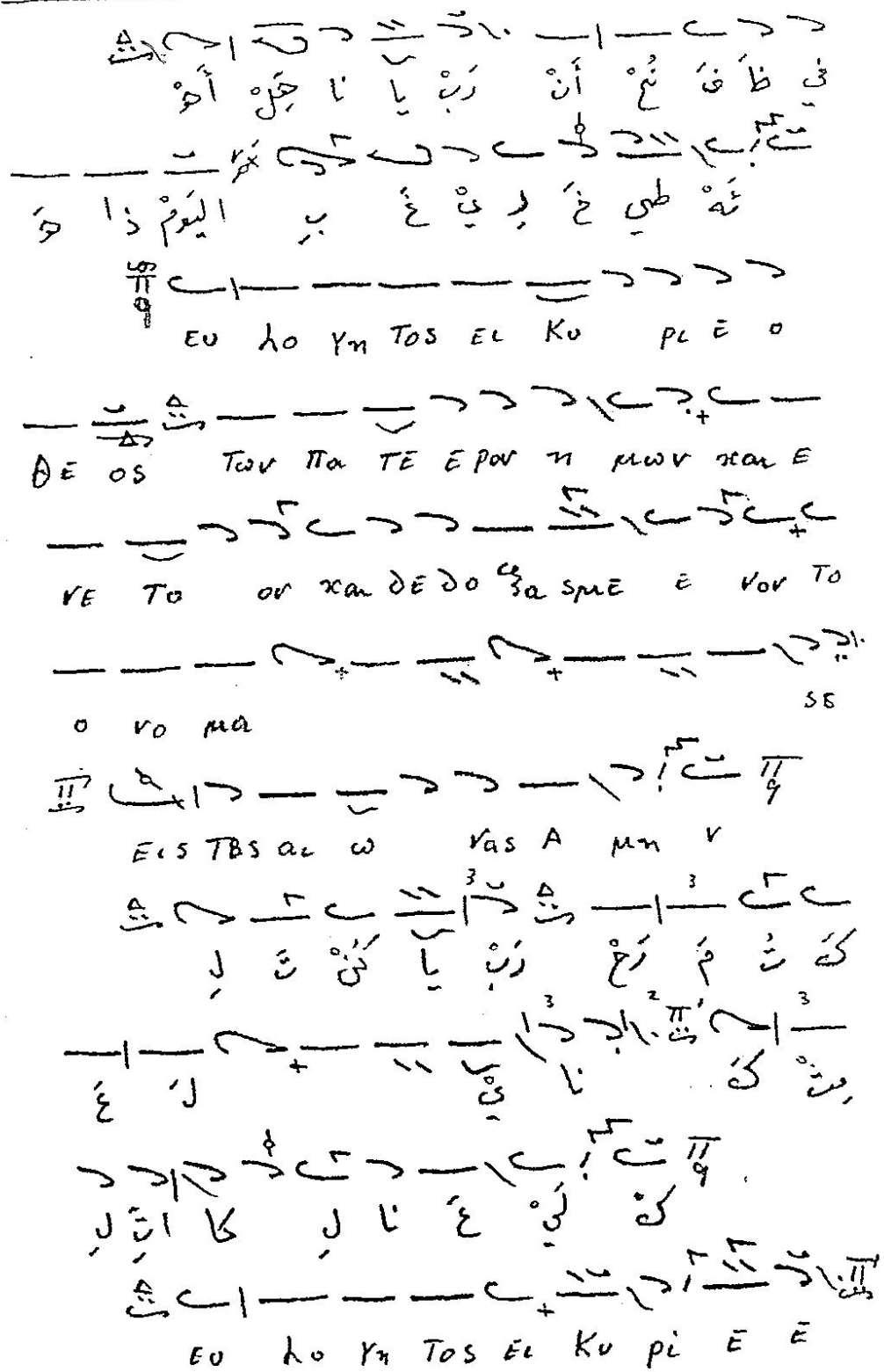
EU ΛO YN TOS EL KU PL E O
ΘE OS Των Πα TE E ρον η μων και E
VE TO ον και ΔE ΔO ξα σμE E νον TO
O νο μα
EIS TBS αι ω νας A μη ν
EU ΛO YN TOS EL KU PI E E

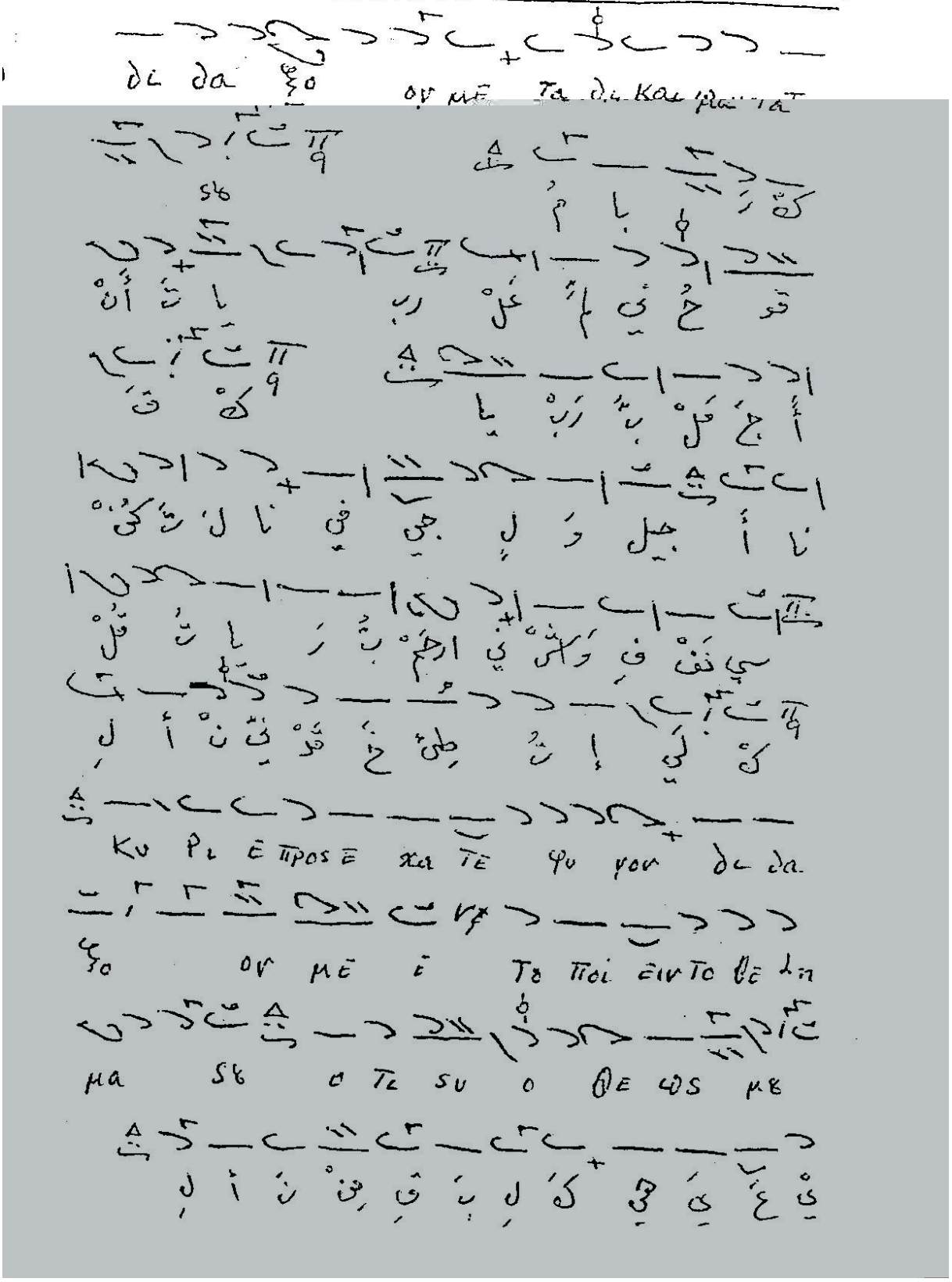

Πα Ρα
Πα Ρα Τει Νου Το Ε λε Ος Σκ
Τος Υι Νος κε Σι Σε Α Υι Ος
Ο θε Ος Α Υι Ος Ι Σκο Ρο Α Υι
ος Α Ρα Να Τος Ε λε η σον η
μα Σ

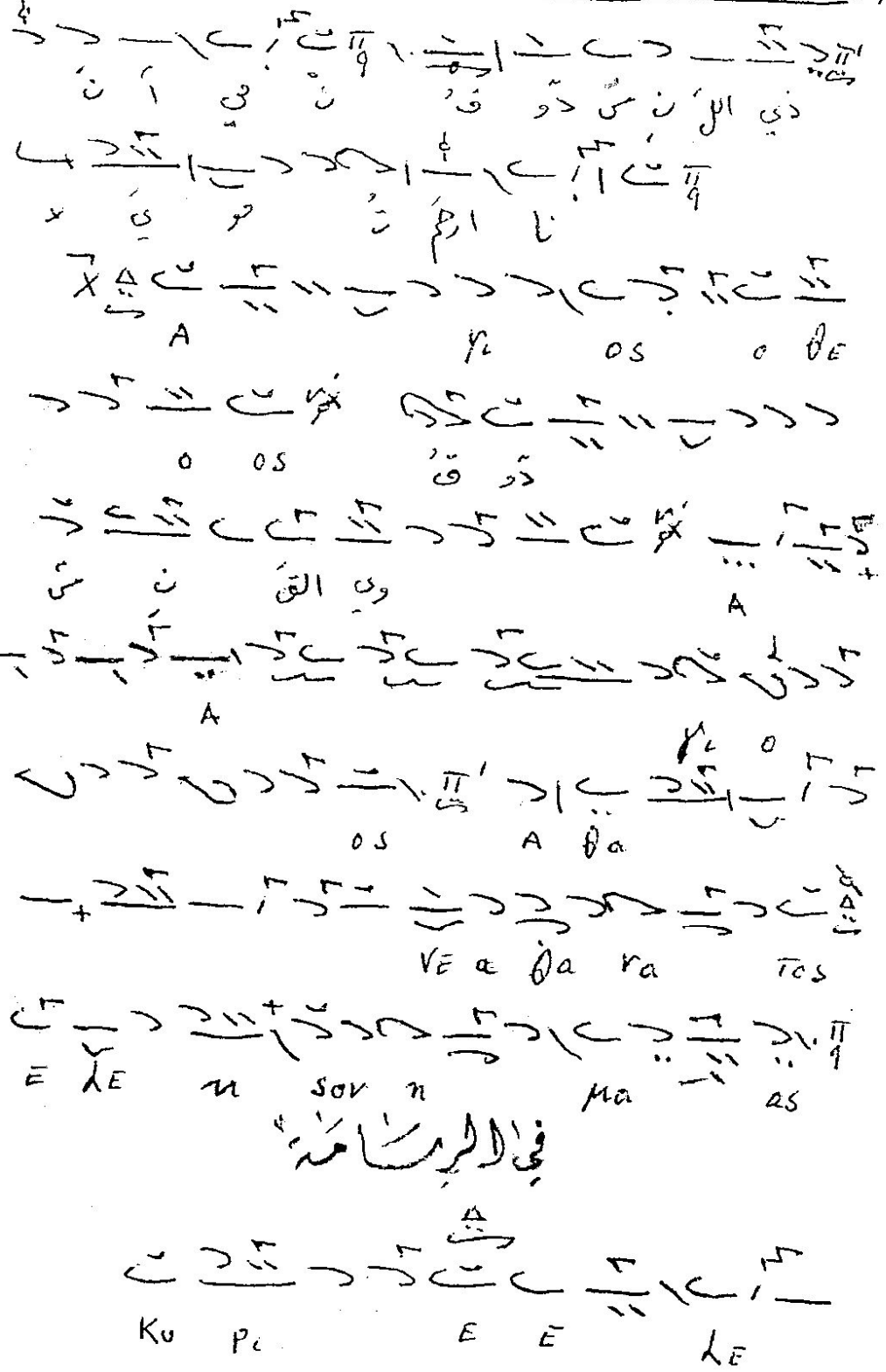

في الرسامة

ذصالوبيا باللحن الثالث بحجم ٢٢

Δο ξα σολτω δι ξαν τι το φως δο ξα εν υ ψι στεις

θεω και επι γης ει ρη νη εν αν θρω ποις ευ δο

κι α

كَ كَ بِ بانْ كَ حْ بَ بِ كَ نْ

بِنْ كَ زْ كَ نْ كَ دْ جْ مْ نْ كَ لْ دْ جْ نْ

دْ كَ جْ مْ لِ لا جْ مْ ظَ غْ لِ أَجْ

Κυ ρι ε βα σι λευ ε πη ρα νι ε θε ε

πα τερ παν το κρα τορ κυ ρι ε υι ε μο νο γε

νες ιη σου χρι στε και α γι ον πνε υ μα

يا جِ الا لْ مْ حْ يا لَهْ إِ يا بْ رْ يا

مْ حْ إِ رْ أ العا يا طا خْ ءِل حا يا الاَبْ ابنْ

نا يا طا خْ عْ فِ را العا يا أ

προς δε ξαι την δε η σιν η μων ο κα θη με νος

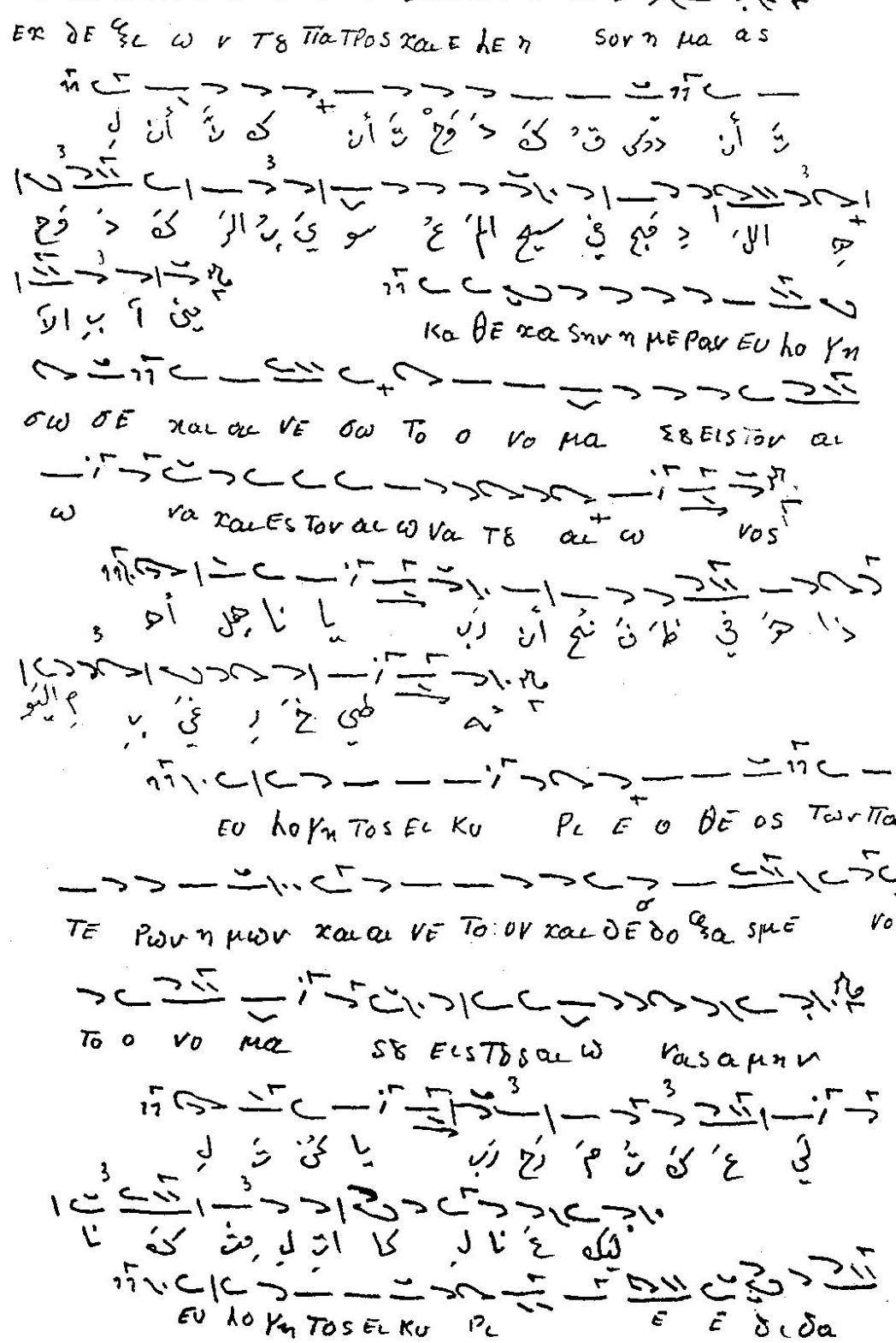

EK ΔE ΘL Ω V TΘ ΠΑΤΡΟΣ ΚΑΙ Ε ΛΕ Η SOV Η ΜΑ AS

Ka ΘE ka SnV Η ΜΕ PaV EU ΛO ΥΗ

ΣΩ ΔΕ ΚΑΙ ΑΙ VE ΣΩ ΤΟ Ο VO ΜΑ ΣΘ ΕΙΣΤΟΥ ΑΙ

Ω VA ΚΑΙ ΕΣ ΤΟΥ ΑΙ Ω VA ΤΘ ΑΙ Ω VOS

EU ΛΟΥΗ ΤΟΣ ΕΙ ΚΥ ΡΙ Ε Ο ΘΕ ΟΣ ΤΟΥ ΠΑ

ΤΕ ΡΩΥ Η ΜΩΥ ΚΑΙ ΑΙ VE ΤΟ:ΥΥ ΚΑΙ ΔΕ ΔΟ ΞΑ SΜΕ VOV

ΤΟ Ο VO ΜΑ ΣΘ ΕΙΣΤΟΣ ΑΙ Ω VAS ΑΜΗΝ

EU ΛΟΥΗ ΤΟΣ ΕΙ ΚΥ ΡΙ Ε Ε ΔΙΔΑ

ζω ον με τα δι και ω μα τα σε

في م لِ ع رَبِ يا تَ أن كَ رَ با م

أ ج ك ل بُ رَ يا فك قو ح

يا تَ قُ نا أ جيل وَ لِ جي في نا لَ تَ كُن

خ قَ لَ نِ أ لِ سي خَ في وَ لِ تَ في م ح إِ رَبِ

ميك لَ إِ تَ ذُ طِ

κω ρι επποσε κατε

φυγον δι δοξω ον μετα πολευτο θε λημα σε

ο τι θυ ελο θε ο οσμα

الح ز ي ي ي حي كَ لِ با قِ مِن تَ أ لِ

ز النو ز ي ي عا ز كَ لِ فو بِ ذ ياة

πα ρα τοι ουτο ε λε ος σε τοις γι νω σκο σι

σε α γι ος ο θε ος α γι ος ισχυ ρος α γι

ος α θα να τος ε λε η σον η μας

ذو قُ وي القَ نِ سَ ذو قُ اللهُ نِ سَ ذو قُ

نا ارحَمْ تُ هو يَ لا ذي الا نِ سَ

دُسَ القَ حِ الرَّو وَ نِ الإِبِ وَ بِ الا لِ دُ نَعِ أَلْ

ري حِ الطا رِ دهو لى إ وَ نِ آ لا كُلُ وَ نَ الا أل

لا + ذي الا نِ سَ ذو قُ نا صي أ نَ

نا ارحَمْ تُ هو يَ

نِ سَ ذو قُ

سَ ذو قُ حُ الا

ذو قُ وي القَ نِ

ذو قُ سَ

الا نِ سَ ذي

نِ سَ نا ارحَمْ تُ هو يَ لا

ذكصالوصيا زهرنذ

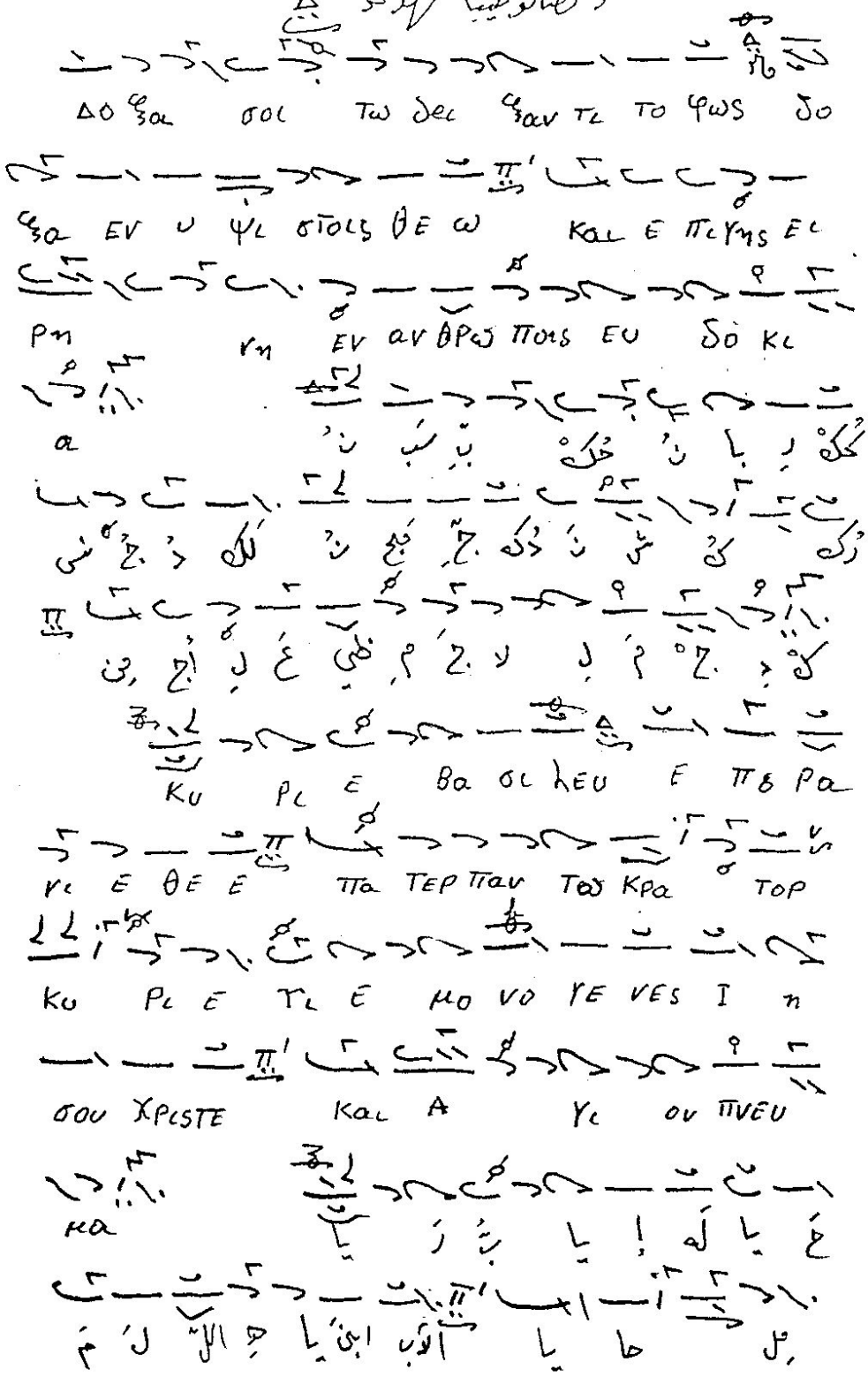

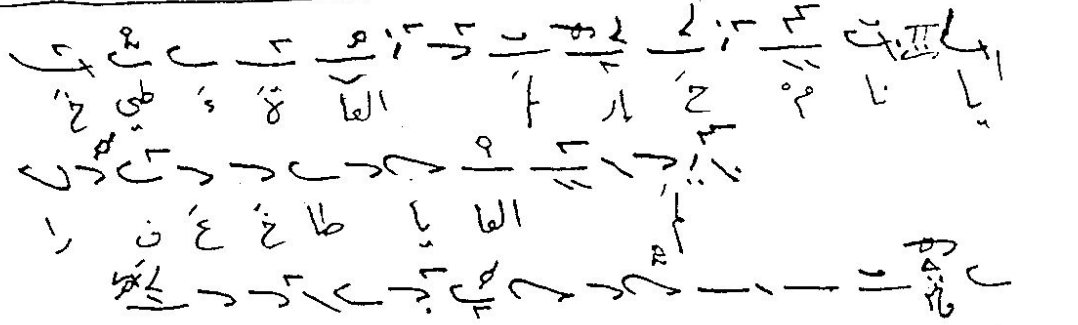

προ σδε και την δε η σιν η μων ο

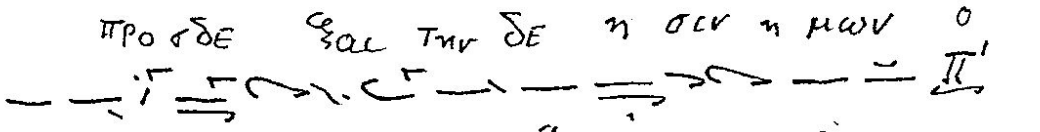

και θη με νος εκ δε ξι ων του πα τρος

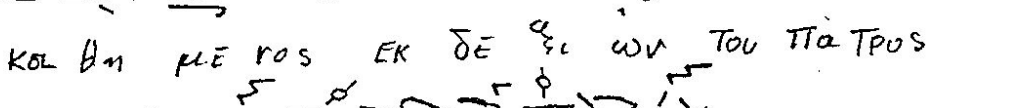

και ε λε η σο ον η μας

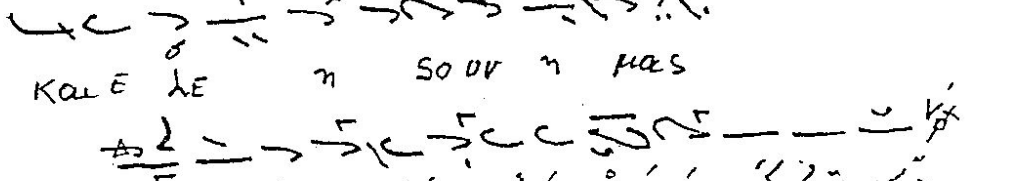

κα θε κα σιν η με ραν εο λο γη

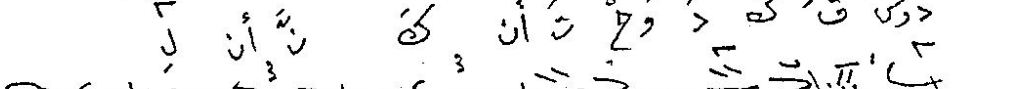

σω σε και ε νε σω το ο νο μα

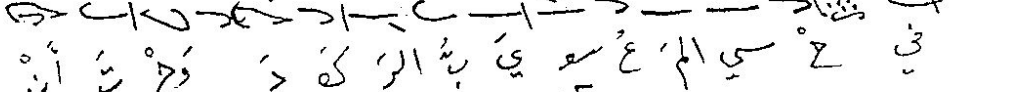

σου εις τον αι ω να και εις τον αι ω να του

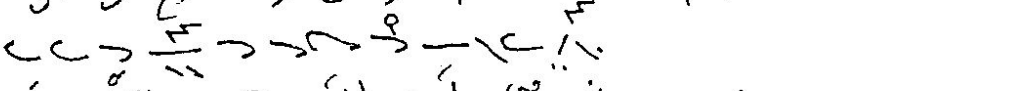

αι ω νος

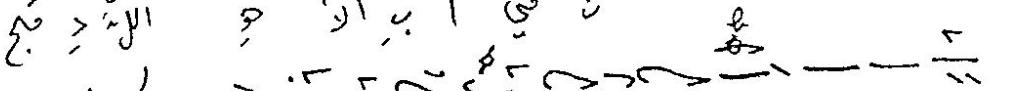

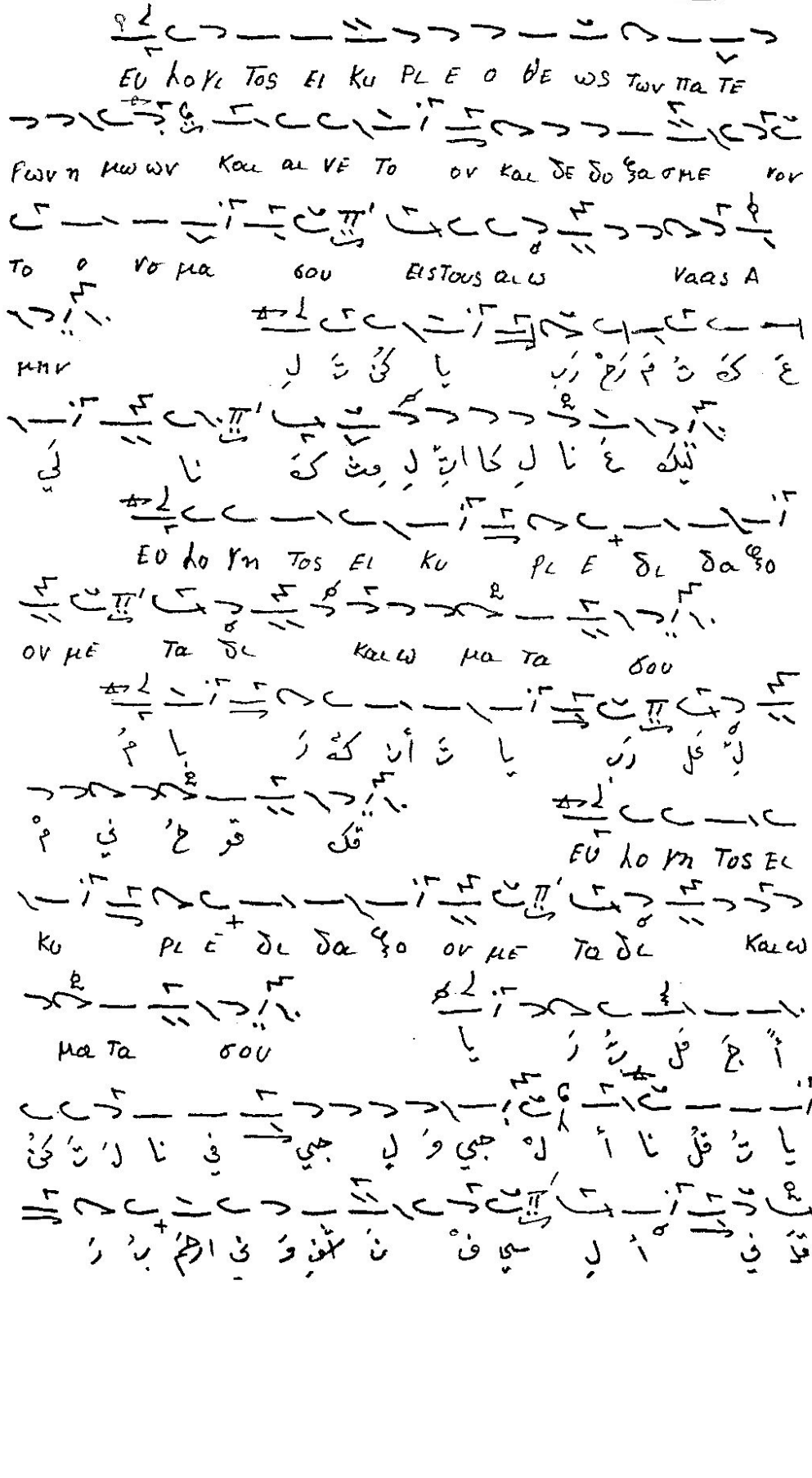
EU lo yi Tos Ei Ku PL E o θE ωS Tων πα TE
ρων η μω ων Kai ai VE To ov Kai δE δo ξa σμE νον
To o νο μα σου EisTous ai ω Vaas A
μην
يا كي تا ل
ع كا تا م رح رب
تيك ع نا ل كا ار ل ث كا نا لي
EU lo yi n Tos Ei Ku pL E δi δa ξo
ov μE Ta δi Kai ω μa Ta σου
ل ع ل ر ب يا تا أن كا ر يا م
م ي م ق ح ق ك
EU lo yi n Tos Ei
Ku pL E δi δa ξo ov μE Ta δi Kai ω
μa Ta σου
أ ج ل ر ا يا
يا ت ق ل نا أ ل جي و ل جي في نا ل ت كي
ق ي أ ل سي ف ن ث و ي ا ح م ب ر

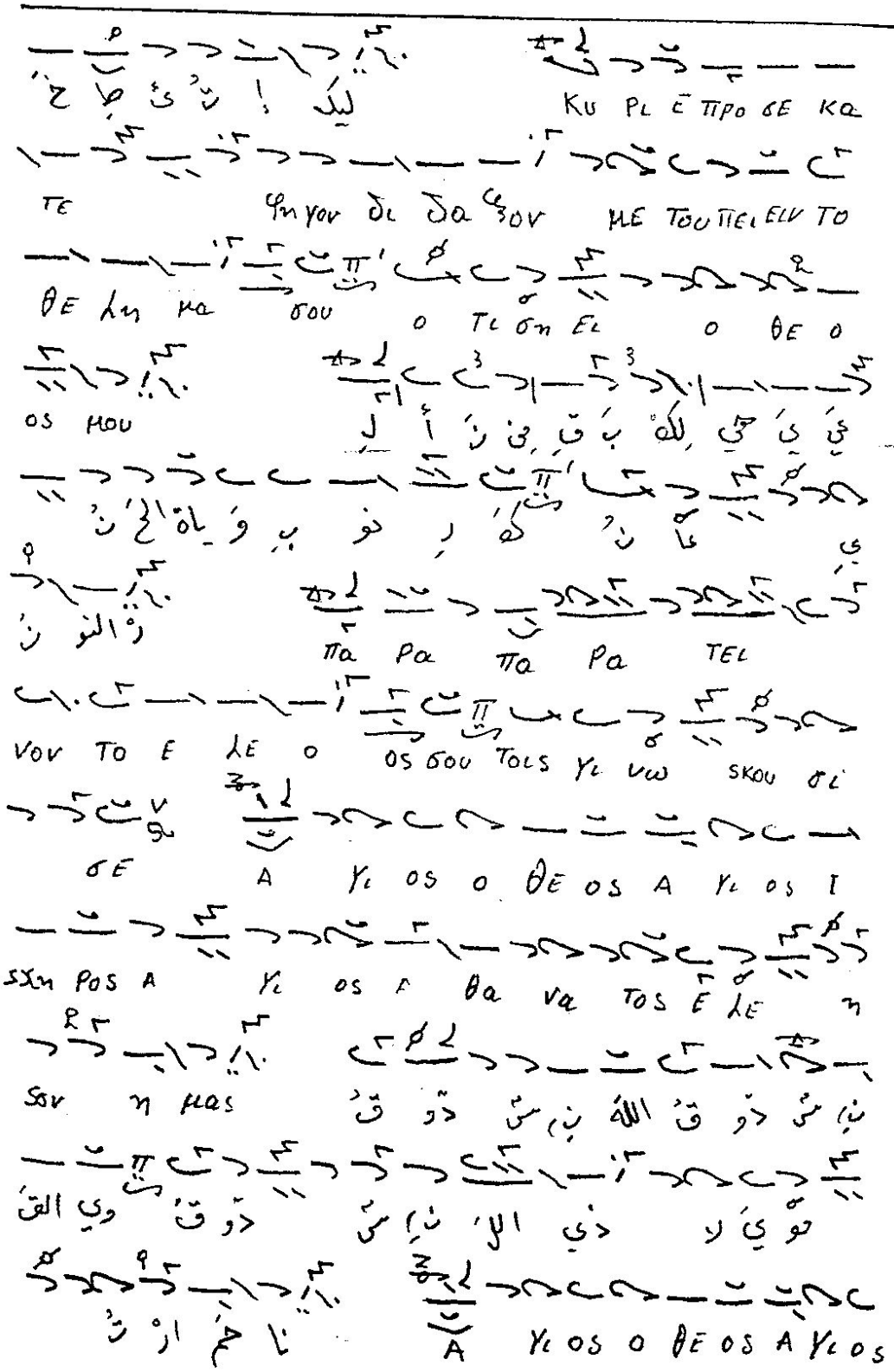
Ku pi E πpo σE ka
τE φηγον δι δα σον με του πει ειν το
θE λη κα σου ο τι ση ει ο θE ο
os μου
πα ρα πα ρα τει
νον το E λE ο os σου τοις γι νω σκου σι
σE A γι os ο θE os A γι os I
σχη pos A γι os A θα να τος E λE η
σον η μας
νι κη σε δυ νη σε δυ νη σε
νι κη σε δυ νη σε δυ νη σε
ελ ε η σον η μας
A γι os ο θE os A γι os

I sxn pos A γι os A θa va tos E λE

n σov n μas

Kai vnv Kai a El Kai Eis Tous ai ω

vas Twv ai ω vwv A μnv

A γι A

γι ι os A θa

ve A θa va to os E λE

n σov n μa a as

المجدلية الكبرى

باللحن السابع فارسي

النور ر حِ الظ حا يَ أ كَ ل دُ المبح أ

لى ع ز لو ا لعَ في حِ اللا ل دُ المبح أ

ذه سرّه الم س النا في ز م لا السّ من الوتر

ج نشه كَ كَ ر با ن كَ ح بِ شبه نُ

من كَ ر كُ نشه كَ دُ جِ فح نُ كَ ل دُ

بِك فح ل لا ج م ظي ع ل أج

يا ويها سَ يا لِك م يا بِ ربّ يا

بابِ بِ ر يا الكلّ ط بِ ضا يا بُ ا يا له

يا دُ سيح الم ع سو ي يا ا دا حي ز نا

دُس القُ ح الرو حا يَ أ

اليوم هو في ظلمة أن رب
يا تأن كه رب ام
بنى مرنا يا اهو لا رب
الا لى إ كه مرنى دج مج مر و ح
يا كنى تا لا
نى مني ا د ب
انا لى مت كه نا لى ع كه تم رح بر
يا م
كه لى ع نا ل كا
قكه قو ح ني لم عل بر يا تأن كه ر
EO λo γη Tes EL Ku Pe Da
Ego r με Ta δε και ω μια Ta S ε
لم ع رب يا تأن كه ر با م

أَيُّ حَلَّ بِهِ رَبِّ يا قَلْبُكَ قَوْ حُ نِي

نا أَ جيل وَ لِ جي فِي نا لَ تَ كُنْ

لِ سي نَ فِ وَاشْ نِي ارْحَمْ بِهِ رَبِّ يا تُ قُلْ

يَكْ لِي إِ تُ ءْ طِي خَ قَدْ نِي نَ أَ

عَلْ فَ تُ حا لَ كَ لِي إِ بِهِ رَبِّ يا

نَ أَ لِ كَهْ ضا رِ لَ مْ أَعْ أَنْ نِي لِم

هِي لَ إِ وَ هو تَ نْ أَ كَ

وَ بِاةِ الرَ نَ عَيْ كَهْ لِ بَ قِ مِنْ نَ أَ لِ

رْ النو رُ بِي عا نُ كَهْ بِ فو بِ

يَعْ نَ ذِي اللَّ لى عَ كَهْ تَ مَ رَعْ سُطْ فابْ

اللَّهْ نِ مِنْ دُو قُ كَهْ نَ فو رِ

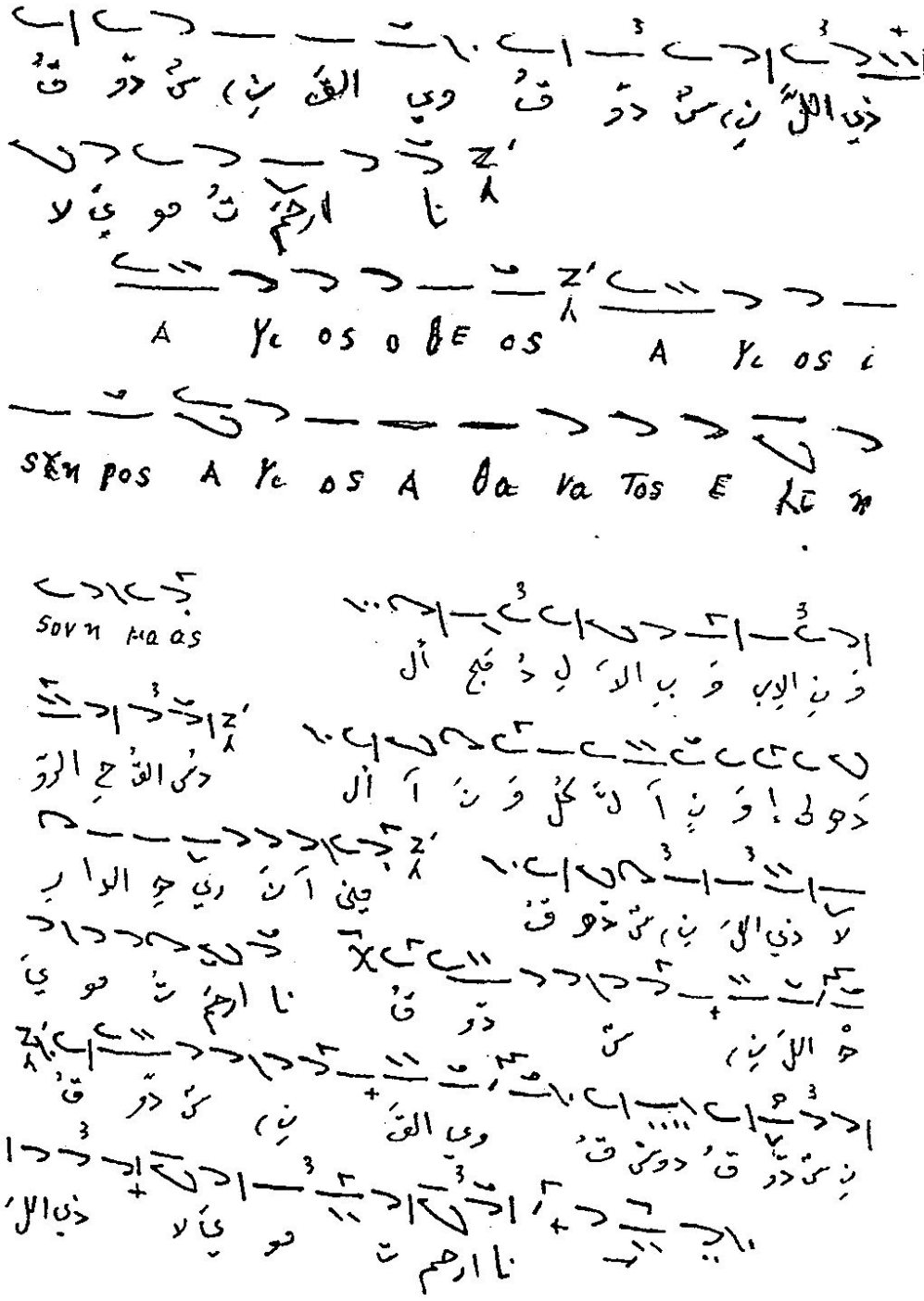

احفظ يارب سيدنا باللحن السادس

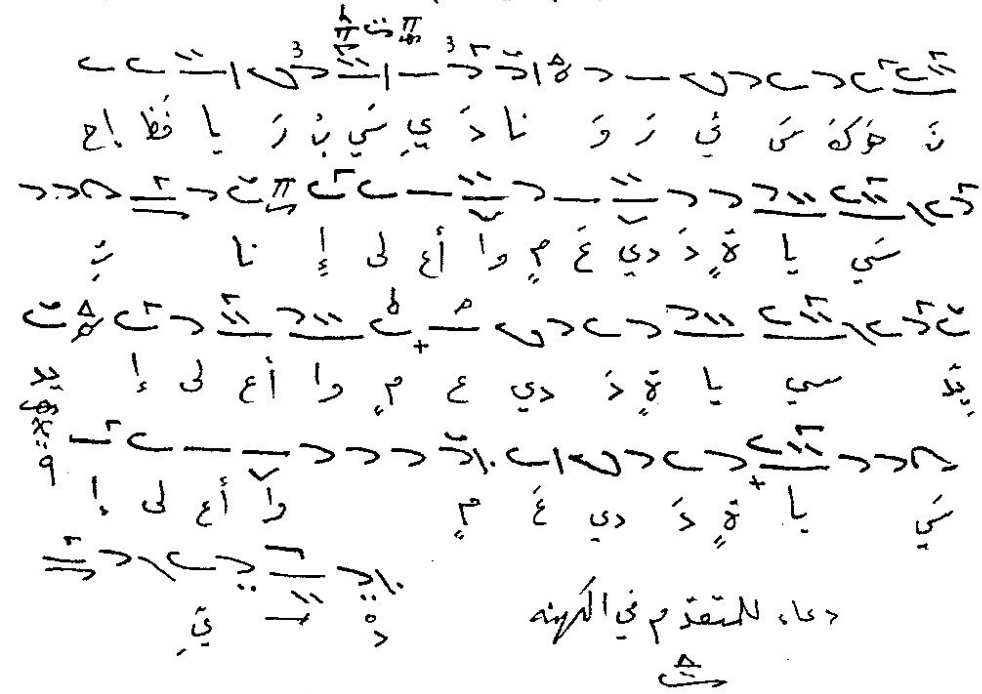

دعاء للمتقدم في الكهنه

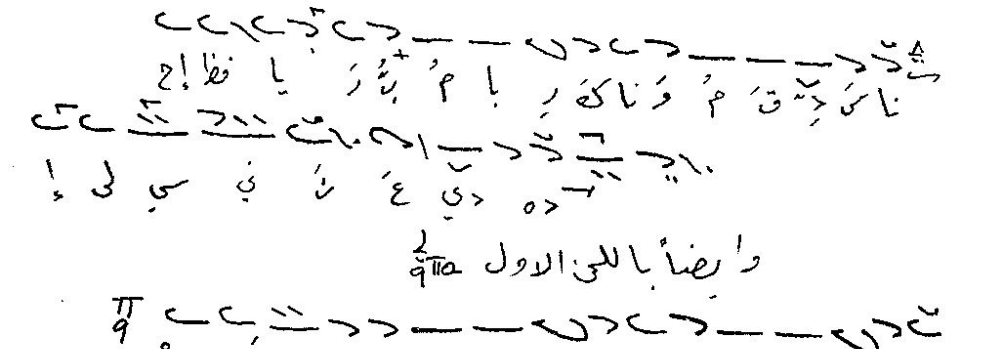

وايضاً باللحن الاول

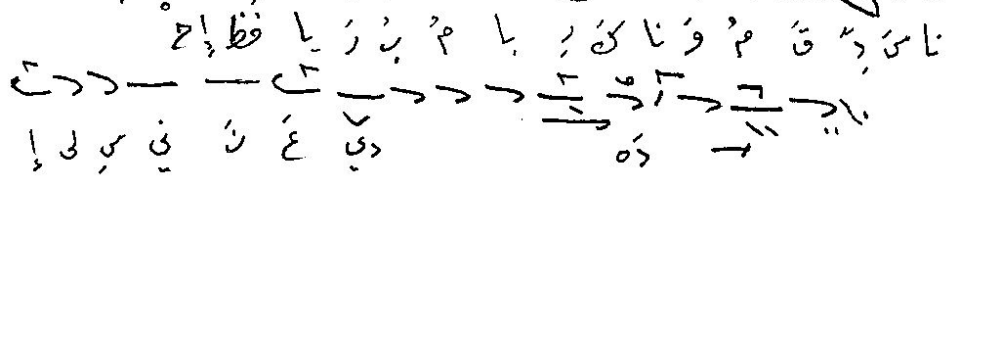

قطع المساء اليومية او البروكيمنون

الاحد مساء باللحن الثامن

الرب ي ع ع ي ج يا بَ الرَ كوا بِ با نَ الا ذ ُ فُ حا

سيتخون:- الواقفين في بيت الرب في ديار بيت الرب الهنا

أع ع ي ج يا بَ الرَ كوا بِ با نَ الا ذ ُ فُ حا

الاثنين مساء باللحن الرابع

بَ الرَ لِ ما

حِ لي ا خ ُ أص نَ حي لي ع م تَ يَس بَ الرَ أ

سيتخون:- اذ دعوت استجاب لي اله بري

حِ لي ا خ ُ أص نَ حي لي ع م تَ يَس بَ الرَ أ

الثلاثاء مساء باللحن الاول

ني يا ح م يا أ ع ي ج في ل ل ظل تَ بَ رَ يا كَ تَ م رَ ح

سيتخون:- الرب يرعاني فلا يعوزني شيء

ني يا ح م يا أ ع ي ج في ل ل ظل تَ بَ رَ يا كَ تَ م رَ ح

الاربعاء مساء باللحن الخامس KE

لي احكم كَ تَ وَ قو بِ وَ في ق ض خل كَ م بلا م حِ لَ ال

سيتخون:- استمع يا الله لصدقي وانصت الى كلامي فمي

لي احكم كَ تَ وَ قو بِ وَ في ق ض خل كَ م بلا م حِ لَ أ

الخميس مساء باللحن السادس

الأرض وما التي عن ذي الأ الرب دعى من في نهو م

سيخون: — رفعت عيني الى الجبال من حيث يأتي عوني

وما التي عن ذي الأ الرب دعى من في نعو م

الجمعة مساء باللحن السابع

رض الأ

رح حي لا ! ري صنا ئ أن هو الأ يا

سيخون: — انقذني من أعدائي يا الله

ري صنا ئ أن هو الأ يا في كو ر تو كا ئ م

في كو ر تو كا ئ م رح حي لا !

السبت مساء باللحن السادس

بس لا لا ما الج و لكن م قد ب الر أ

سيخون: — لبس الرب القوة وتمنطق بها لانه ثبت المسكونة فلن تتزعزع

بس بر لا لا ما الج و لكن م قد ب الر أ

٠٦ اللحن الثاني
١١ اللحن الثالث
١٧ اللحن الرابع
٢٤ يا نورا
٢٥ دعاء لصاحب الغبطه
٢٧ الفيمي الغبطه
٢٩ اللحن الخامس
٣٣ اللحن السادس
٣٨ اللحن السابع
٤٢ اللحن الثامن
٤٧ التريصاجيون باللحن الاول
٤٩ التريصاجيون باللحن الثالث
٥١ التريصاجيون باللحن السادس
٥٢ التريصاجيون باللحن السابع
٥٣ التريصاجيون باللحن الثامن
٥٤ مزمور الرب قد ملك
٥٦ مزمور الهم اصغ الي معونتي
٥٧ مزمور المجد لله في البلاء
٥٨ الفيمي لسيادة مطران زحله
٥٩ الدعاء لسيادته
٦٠ الفيمي لسيادة مطران صور و صيدا و الدعاء لسيادته
٦١ دعاء لسيادة اسقف اقامبا
٦٢ القداس باللحن الاول
٦٥ دعاء لسيادة مطران حلب
٦٦ القداس باللحن الثالث
٦٨ القداس باللحن الخامس
٧١ القداس باللحن السادس
٧٣ القداس باللحن السابع
٧٦ القداس باللحن السابع فاريس
٧٨ القداس باللحن الثامن
٨١ دعاء لسيادة مطران اوروبا الغربية
٨٣ اللحن الاول مساء السبت
١٠٤ اللحن الثاني مساء السبت
١٢٨ الشاروبيكون باللحن الاول
١٣١ الكلام الجوهري باللحن الاول
١٣٦ القداس الالهي باللحن الثاني
١٤٤ التريصاجيون مختصره
١٤٤ الفيمي لسيادة مطران بيروت
١٤٥ الدعاء لسيادته ايضا
١٤٦ دعاء لسيادة مطران جبل لبنان
١٤٨ الشاروبيكون باللحن الثاني
١٥١ الكلام الجوهري باللحن الثاني
١٥٥ ذكصالوجيا عجم كرد
١٦٠ اقبليني اليوم باللحن الرابع
١٦٢ اقبليني اليوم باللحن الخامس
١٦٣ ذكصالوجيا شوري
١٦٩ قي الرسامه
١٧١ ذكصالوجيا باللحن الثالث
١٧٥ ذكصالوجيا نهوند
١٨٠ ذكصالوجيا باللحن السابع فاريس
الافلوجيطاريا